• जयपुर, मंगलवार 26 नवंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 98 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा...

पेज @4 उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई के मजबूत इरादों से जेडीए...

पेज @8 संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चित्रकूट...

न्यूज अपडेट

केदारनाथ सीट पर कांग्रेस नहीं, बल्कि उत्तराखंड के सरोकारों की हार : हरीश रावत

केदारनाथ/एजेंसी। उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने जीत दर्ज की है। केदारनाथ विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत के बाद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि ये हार कांग्रेस की हार नहीं है बल्कि उत्तराखंड के सरोकारों की हार है। यह उन सवालों की हार है जो केदार भूमि स्वयं उठा रही थी। वो सवाल आम जनता के सवाल थे।

हरीश रावत ने जनता को लेकर कहा कि चुनाव के बाद उत्तराखंडी सरोकारों की बात करेंगे। आप भू कानून, महिला सम्मान, पलायन, बेरोजगारी की बात करेंगे, लेकिन उनके लिए जो व्यक्ति खड़ा रहा, उसको आप चुनाव में हरा देंगे। मुझे इस बात की तकलीफ है कि उत्तराखंड किस दिशा में जा रहा है। हम लोगों से बात करेंगे और राजनीतिक दल के रूप में हमें भी अपना तरीका बदलना होगा और जनता का भरोसा जीतना होगा।

चित्तौड़गढ़ किले में विश्वराज सिंह मेवाड़ का होगा राजतिलक, सौंपी जाएगी राजगद्दी

उदयपुर/एजेंसी। उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे विश्वराज सिंह का सोमवार को मेवाड़ का चित्तौड×गढ़ किले में पगड़ी दस्तूर किया जाएगा।

चित्तौड़ दुर्ग के फतेह प्रकाश महल में विश्वराज सिंह को राजगद्दी पर बैठाया जाएगा। इस दौरान तलवार की धार से अंगूठे को काटकर उनका राजतिलक किया जाएगा। इस परंपरा का निर्वहन सलूंबर ठिकानेदार करेंगे। राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ लोगों से मिलेंगे। इसके बाद वे प्रयागगिरी महाराज की धूणी पर दर्शन करेंगे और कुलदेवता एकलिंगजी महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

मेवाड़ की शासक परंपरा के अनुसार शासक खुद को एकलिंगनाथ जी का दीवान मानते हैं। ऐसे में विश्वराज सिंह इस परंपरा को निभाते हुए एकलिंगजी महादेव मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। आपसी पारिवारिक विवाद के बीच अरविंद सिंह मेवाड़ और उनके बेटे लक्ष्यराज सिंह ने इसे पूरी तरीके से गैरकानूनी कहा है। उनका कहना है कि मेवाड़ राजघराना एक ट्रस्ट के जरिए चलता है, जिसका संचालन उनके पिता ने उन्हें दे रखा है। ऐसे में राजगद्दी का अधिकार मेरे और मेरे बेटे का है।

इस क्रार्यक्रम को लेकर उदयपुर शहर में पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। इससे पहले भगवत सिंह मेवाड़ के निधन के बाद बड़े बेटे महेंद्र सिंह मेवाड़ का 19 नवंबर 1984 को राज्याभिषेक किया गया था।

उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्र सिंह मेवाड़ का पिछले हफ्ते 83 साल की उम्र में निधन हो गया था।

शीतकालीन सत्र की शुरुआत पर बोले पीएम मोदी

जिन्हें जनता ने बार-बार नकारा, वे संसद में चर्चा नहीं होने देते

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि शीतकालीन सत्र में माहौल शीत रहेगा। पीएम मोदी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है।

उन्होंने आगे कहा, संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। कल संविधान सदन में सब मिलकर संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत करेंगे। संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण करते समय एक एक बिंदु पर बहुत विस्तार से बहस की है और तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। हमारे संविधान की महत्वपूर्ण इकाई- संसद और हमारे सांसद हैं। पार्लियामेंट में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को भी मुी भर लोगों की हुड़दंगबाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो सफल नहीं होता, लेकिन देश की जनता उनके सारे व्यवहार देखती है और जब समय आता है तो उन्हें सजा भी देती है, लेकिन सबसे पीड़ादायक बात यह है कि नए सांसद नए विचार, नई ऊर्जा लेकर आते हैं और वे किसी एक पार्टी के नहीं, बल्कि सभी पार्टियों के होते हैं। कुछ लोग उनके अधिकारों का हनन करते हैं और उन्हें सदन में बोलने का मौका भी नहीं मिलता है।

हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 27 नवंबर 11 बजे तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली/एजेंसी।

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 25 नवंबर से शुरू हो गया। हालांकि हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही 27 नवंबर 11 बजे दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके पहले सोमवार 11 बजे संसद के शीतकालीन सत्र का शुभारंभ किया गया। सबसे पहले दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद संसद की कार्यवाही शुरू की गई। लेकिन लोकसभा में मणिपुर समेत दूसरे मुद्दों को लेकर विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने और कार्यवाही को सुगम तरीके से चलने देने में सहयोग देने की अपील की। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष की अपील का हंगामा कर रहे सांसदों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हंगामा बढ़ता ही जा रहा था। इसे देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही 27 नवंबर 11 बजे दिन के लिए स्थगित कर दी। अब 29 नवंबर को 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होगी। सोमवार को शीतकालीन सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी भी लोकसभा पहुंचे।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर मांगी 50 लाख की रंगदारी, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

भरतपुर/एजेंसी। शहर के कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा से लॉरेंस विश्नोई गैंग के नाम पर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। पीड़ित को कॉल और मैसेज कर धमकी दी गई कि यदि रकम नहीं दी गई, तो जान से मार दिया जाएगा। मामले को लेकर विवेक शर्मा ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित विवेक शर्मा ने बताया कि 15 नवंबर को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की मांग की। जब उन्होंने कॉल काट दिया, तो धमकी भरा मैसेज आया, जिसमें लिखा था, इसके बाद 23 नवंबर को एक और मैसेज आया, जिसमें कहा गया, 50 लाख रुपए तैयार रखना, कल फोन करेंगे। पैसा नहीं दिया तो गोली मार दी जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम' पहल को गुयाना के राष्ट्रपति का समर्थन, पीएम मोदी ने कहा- 'शुक्रिया

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'एक पेड़ मां के नाम' पहल का समर्थन करने के लिए गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति अली ने एक्स पर पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी थी।

राष्ट्रपति अली के ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, आपके सहयोग को हमेशा संजोकर रखा जाएगा। मैंने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान इस बारे में बात की थी। उसी एपिसोड में गुयाना में भारतीय

समुदाय की भी सराहना की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गुयाना की अपनी हालिया यात्रा का एक उदाहरण साझा करते हुए कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अन्य देशों में भी फैल रहा है। उन्होंने बताया कि गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली और उनके परिवार ने भी इस कैंपेन में भाग लिया। गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने एक्स पर एक पोस्ट में इस बारे में लिखा, मेरे मित्र नरेंद्र मोदी की गुयाना की हालिया यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने वाली 'एक पेड़ मां के नाम' पहल का समर्थन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। रविवार को 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं अब आपके साथ देश की एक ऐसी उपलब्धि साझा करना चाहता हूं, जिसे सुनक आपको खुशी और गर्व होगा।

संभल में असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने बिगाड़ा माहौल, भाजपा सरकार है जिम्मेदार : राहुल गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी।

यूपी के संभल जिले में रविवार को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर राजनीति तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना, जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है।

उन्होंने आगे कहा, भाजपा का सत्ता का उपयोग हिंदू-मुसलमान समाजों के बीच दरार और भेदभाव पैदा करने के लिए करना ना प्रदेश के हित में है और ना देश के। मैं सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर न्याय करने का अनुरोध करता हूं। राहुल गांधी ने लोगों से शांति बनाए रखने की भी अपील की। उन्होंने कहा, मेरी अपील है कि शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखें। हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े। इससे पहले प्रियंका गांधी ने संभल में हुई हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट से संज्ञान लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा, संभल, उत्तर प्रदेश में अचानक उठे विवाद को लेक र राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का संज्ञान लेकर न्याय करना चाहिए। प्रदेश की जनता से मेरी अपील है कि हर हाल में शांति बनाए रखें।

मुस्लिमों को किया जा रहा टारगेट, दोबारा सर्वे की नहीं थी जरूरत : संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क

नई दिल्ली/एजेंसी।

यूपी के संभल जिले में रविवार को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने इस हिंसा को पूर्व नियोजित बताया है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह एक प्री-प्लान घटना है और अफसोस की बात यह है कि प्रदेश और देश के अंदर मुस्लिम समाज के लोगों को टारगेट करके काम किया जा रहा है। इससे ज्यादा बुरा हाल आजादी के बाद कभी नहीं हुआ होगा। जिस प्रकार से प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट का उल्लंघन किया जा रहा है। जब संसद ने 1991 में एक कानून बना दिया है कि 1947 से पहले के जितने भी धार्मिक स्थल अस्तित्व में है, उनके साथ किसी प्रकार की कोई छेड×खानी नहीं होगी, लेकिन इसके बावजूद जगह-जगह याचिकाएं दायर की जा रही हैं और उसी दिन आदेश भी दिए जा रहे हैं।

जियाउर्रहमान बर्क ने आगे कहा, हमने इस मामले में शांतिपूर्वक सर्वे कराया, मगर जुमे की दिन बहुत सारे लोगों को नमाज पढने से रोका गया। इतना ही नहीं, पुलिस बल की तैनाती भी की गई। इसके बावजूद हमने लोगों से कहा कि कोई कदम उठाने की जरूरत नहीं है और किसी दूसरी मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ें।

दुनिया में हम किसी के दुश्मन नहीं हैं

भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य को किया है स्वीकार : मोहन भागवत

हैदराबाद/एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि जहां दुनिया अपनी मंजिल पर विचार किए बिना आगे बढ़ रही है, वहीं भारत ने हमेशा एकता और अखंडता के गहरे सत्य पर विचार किया है।

लोकमंथन भाग्यनगर 2024 में बोलते हुए, आरएसएस प्रमुख ने भारत की धर्म और जीवन के निर्माण की शाश्वत अवधारणाओं पर अपने विचार रखे।

भागवत ने कार्यक्रम में कहा, हमारे पूर्वज अस्तित्व की एकता की

सच्चाई जानते थे, वे समझते थे कि यही सब कुछ है इसलिए विविधता है। यह कुछ समय तक चलती है, फिर केवल एकता रह जाती है। एकता शाश्वत है और विविधता में भी एकता है, अगर हम इसे तलाशने की कोशिश करें।

उन्होंने कहा, उन लोगों को जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है जिनके प्रयोग पिछले 2,000 वर्षों में विफल रहे हैं। हमारा ध्यान अपने लोगों का मार्गदर्शन करने पर होना चाहिए, जो झूठे आख्यानों में उलझे हुए हैं। वैश्विक मंच पर हम अपने पूर्व निर्धारित मापदंडों और अपने अनूठे तरीके से खेलेंगे। आरएसएस प्रमुख ने लोकमंथन पहल को ग्रामीण भारत तक ले जाने का आह्वान किया तथा गांवों में छोटी-छोटी सभाएं आयोजित कर जमीनी स्तर के लोगों को जोडने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे मन की आवाज़ कहती है कि इस दुनिया में हम किसी के दुश्मन नहीं हैं और कोई हमारा दुश्मन नहीं है। हालांकि यह ठीक है कि कोई आक्रामक है, अगर कोई हम पर हमला करता है या हमें नुकसान पहुंचाता है, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन हम उसका जवाब भी देंगे...लेकिन हम किसी से लड़ाई नहीं करते हैं।

भागवत ने पौराणिक प्रतीकों से तुलना करते हुए कहा, जैसे समुद्र मंथन के दौरान हलाहल निकला था, वैसे ही चुनौतियां आएंगी। लेकिन हम उन्हें झेलने और सभी के कल्याण के लिए अमृत परोसने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकमंथन भाग्यनगर 2024 के विचार-विमर्श से उनकी अपनी समझ भी बढ़ी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

यूपी के हरदोई में बोलेरो और बस की टक्कर में 5 की मौत, 4 घायल

हरदोई/एजेंसी।

हरदोई जिले के मल्लावां थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड×क हादसा हुआ। गोराई चौराहे पर सुबह करीब 3 बजे बोलेरो और एक निजी बस की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की जानकारी के मुताबिक, कानपुर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने गोराई चौराहे पर खड़ी एक निजी बस को टक्कर मार दी। कार सवार लोग एक शादी समारोह से वापस आ रहे थे और बस में भी बाराती लोग थे। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। चार घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया, थाना मल्लावां से यह सूचना मिली की गोराई चौराहे के पास एक बोलेरो शादी समारोह से वापस लौट रही थी। यह गाड़ी अनियंत्रित होकर बारातियों को लेकर लौट रही एक बस से टकरा गई। दोनों की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ कर दिया गया। घटना में घायल चार लोगों को तत्काल इलाज हेतु लखनऊ हायर किया गया है। इसमें से किसी को कोई गंभीर चोट नहीं पहुंची है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अडानी के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साध रही है बाइडेन की लीडरशिप

अमेरिका ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन करने के लिए क्या-क्या किया, यह किसी से छिपा नहीं रहा है। भारत में सत्ता बदलने के लिए जॉर्ज सोरोस (अमेरिकी निवेशक, उद्योगपति) एवं अन्य क्या षड्यंत्र रच रहे थे यह भी अब सभी के सामने आ चुका है। इसमें भारत की विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी की भागीदारी कितनी रही है, यह भी आज सभी जानते हैं, इसमें गौतम अडानी को पहले और अब कैसे जोड़ा जा रहा है, और ऐसा करने से नुकसान किसका हुआ या हो रहा है, वह भी आज हमारे सामने है। वास्तव में जिस तरह से पहले और आज भारतीय उद्योगपति अडानी पर अमेरिका से निशाना साधा जा रहा है, यह बहुत गहराई से समझने की आवश्यकता हर भारतीय को है। एक तरह से देखा जाए तो यह हमला सिर्फ अडानी किसी एक उद्योगपति पर नहीं बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ होते सिस्टम को कमजोर करने का प्रयास है।

समझना होगा कि अडानी के कमजोर होने से सबसे अधिक लाभ किसे होगा? दुनिया के सबसे अधिक अमीर अरबपतियों की सूची में किस देश के लोग हैं? इसका उत्तर है अमेरिका और चीन । दोनों ही देशों में लगभग बराबर से अरबपति लोगों की संख्या है, स्वभाविक है कि आर्थिक स्तर पर सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा भी इन्हीं दो देशों में दिखाई देती है, पीछे से पिछले कुछ सालों में केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से भारत में भी अरबपतियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2024 के आंकड़े हमारे सामने हैं, जिसके अनुसार मुंबई 92 अरबपतियों के साथ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अरबपतियों की राजधानी बन गई, यह अब एशिया की अरबपतियों की राजधानी के रूप में बीजिंग से आगे निकल गई है। भारत में 2023 में 94 नए अरबपति जुड़े, जो अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिससे कुल 271 व्यक्तियों की कुल संपत्ति कम से कम एक बिलियन अमरीकी डॉलर हो गई। वस्तुतः यह रिपोर्ट हाल के दिनों में भारत की बढ़ती आर्थिक गति को दशार्ती है। सामूहिक रूप से, इन भारतीय अरबपतियों के पास एक ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की संपत्ति है, जो कुल वैश्विक अरबपतियों की संपत्ति का सात प्रतिशत है, जोकि आज भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव को रेखांकित करता है। दूसरी ओर भारत के वे बड़े उद्योगपति हैं, जिनके कारण आर्थिक क्षेत्र में भारत की वैश्विक पहचान ही नहीं बल्कि नए नवाचार एवं करोड़पति-अरबपति उद्योग जगत के लोग इनका अनुसरण करते हुए सतत अपने-अपने क्षेत्रों में सफल होने के प्रयास कर रहे हैं, उनमें टाटाग्रुप, अंबानी-रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी ग्रुप, जिंदल ग्रुप- जेएसडब्ल्यू ग्रुप, शिव नादर- एचसीएल टेक्नोलॉजीज, दिलीप सांघवी- सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बिड़ला ग्रुप, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, हिंदुजा फैमिली, रवि जयपुरिया, लक्ष्मी मित्तल, सुधीर एंड समीर मेहता, मधुकर पारेख एंड फैमिली, उदय कोटक, अजीम प्रेमजी, मंगल प्रभात लोढ़ा, गोदरेज, बर्मन फैमिली, पंकज पटेल, कपिल एंड राहुल भाटिया, मुरुगप्पा फैमिली, विनोद एंड अनिल राय गुप्ता, रेखा झुनझुनवाला, मुरली देवी फैमिली और विक्रम लाल फैमिली समेत कई नाम शामिल हैं। जिसमें कि गौतम अडानी और मुकेश अंबानी कभी एक या दो पर बने रहते हैं। अमेरिका के संदर्भ में यहां कहना होगा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और कमला हैरिस की टीम चाहकर भी जब भारत में प्रधानमंत्री मोदी को सत्ता से नहीं हटा पाए, जैसा कि उनका अनुमान बांग्लादेश, श्रीलंका सत्ता के परिवर्तन की तरह रहा होगा, तब वे सत्ता से जाते-जाते अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए अनेक विवाद और मुसीबतें खड़ी कर देना चाहते हैं। इनसे जुड़े उद्योगपतियों का भी दबाव भी इस तरह के आरोपों और भारतीय उद्योगपति पर की जा रही इस कार्रवाई से साफ नजर आता है। वे दुनिया में भारत को आर्थिक रूप से शक्तिशाली होने से हर हाल में रोक देना चाहते हैं। अडानी इनके आसान शिकार इसलिए बनाए जा रहे हैं, क्योंकि वे प्रमुखता से दुनिया भर में विस्तार कर रहे हैं, इसलिए उनकी निगाहें बार-बार गौतम अडानी पर जाकर टिक जा रही हैं। आज अडानी हर मौके को अंतिम अवसर मानकर अमेरिका एवं अन्य देशों के अरबपतियों और खबरपतियों को चुनौती दे रहे हैं। ये अलग बात है कि अब तक उन पर जितने भी आरोप लगाए गए, हर बार आरोप गलत साबित हुए, किंतु इन आरोपों से तत्काल में जो भारतीय बाजार में अविश्वास पैदा होता है और निवेशकों का करोड़ों रुपया डूब जाता है, वह बहुत चिंता पैदा करता है।

इससे पहले हमने देखा ही है कि जब साल 2022 में गौतम अडानी 150 अरब डॉलर के साथ दुनिया के तीसरे सबसे अमीर कारोबारी बन गए थे, तब उन्हें नीचे गिराने के कैसे षड्यंत्र शुरू हो गए थे। पिछले साल की शुरूआत में जनवरी में उन पर अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने गंभीर आरोप लगाए। ये एक बार नहीं कुछ वक्त के साथ दो बार लगाए गए, स्वभाविक तौर पर इसका बाजार में असर हुआ, पहले अधिक हुआ और इस रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप को 150 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। बाद में फिर जब ऐसे ही आरोप हिंडनबर्ग रिसर्च ने लगाए तो बाजार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अमेरिका के कई उद्योग जगत के लोग जो सोच रहे थे, वह हो नहीं सका। जांच में अडानी ग्रुप पर लगे सभी आरोप निराधार पाए गए। वस्तुतः अब यह तीसरा लगातार का प्रयास है अडानी ग्रुप के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर चोट करने का।

इस बार अमेरिकन जो वाइडेन प्रशासन सरकारी सिस्टम के साथ उनके विरोध में सामने आया है। स्वभाविक है सरकार का असर हुआ है और पिछले दो दिनों में अडानी ग्रुप के सभी शेयर नीचे आ गए हैं। आप इसमें षड्यंत्र का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि हाल ही में अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के तुरंत बाद, अडानी ने एक्स पर उन्हें जीत की बधाई दी और लिखा कि उनका ग्रुप अमेरिकी एनर्जी और इंफ्रा प्रोजेक्ट्स में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिससे अमेरिका में 15,000 जॉब जेनरेट होने की संभावना होगी। यानी जिस एनर्जी और इंफ्रा प्रोजेक्ट्स को लेकर वह अमेरिका में अपने उद्योग को विस्तार देनेवाले थे, उसी क्षेत्र में उन पर ये आरोप लगाए गए हैं ताकि उन्हें अमेरिका में अपने उद्योग को विस्तार देने से रोका जा सके।

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

ललित गर्ग

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-

मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती। देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता?

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें।

यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है- आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति में सही दिशा बताता है।

महाराष्ट्र में हिंदुत्ववादी ताकतों ने एनडीए के पक्ष में कैसे बाजी पलटी

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

23 नवंबर 2024 हिंदू समुदाय के लिए एक आंतरिक परिवर्तन का दिन बन गया है, क्योंकि भाजपा और सहयोगियों ने महाराष्ट्र में एक ऐसी स्थिति में भारी जीत हासिल की, जो बड़ी चुनौतीपूर्ण लग रही थी। हिंदू जागरण ने न केवल इस चुनाव के लिए, बल्कि भविष्य के चुनावों के लिए भी कथानक को परिभाषित किया है और यह भी बताया है कि कैसे राजनीतिक दल सनातन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए विकास के लिए काम कर सकते हैं। भाजपा और उसके सहयोगियों की अकल्पनीय स्ट्राइक रेट पर बेमिसाल सफलता में किन तत्वों ने योगदान दिया। भारत के विचार (आइडिया ऑफ इंडिया) और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों के खिलाफ डीप स्टेट ताकतों के झूठे कथानक, साथ ही राहुल गांधी और इंडी गठबंधन को अंतर्राष्ट्रीय डीप स्टेट ताकतों का मजबूत समर्थन ने जाति, संविधान और आरक्षण के आधार पर हिंदू मतदाताओं के बीच व्यापक विभाजन पैदा कर दिया था। पीएम मोदी ने फिर से केंद्र में सरकार बनाई, लेकिन इस बार अपने दम पर बहुमत हासिल किए बिना। वामपंथी उदारवादी ताकतों और हिंदुत्व विरोधी राजनीतिक ताकतों ने झूठे कथानकों का लाभ उठाते हुए सनातन धर्म और मोदी सरकार पर भयंकर वैचारिक हमला किया। यह हिंदुत्व के लिए अधिक हानिकारक साबित हुआ है, लेकिन आरएसएस, विहिप, हिंदू धार्मिक और आध्यात्मिक संतों और उनके संगठनों जैसी हिंदुत्ववादी ताकतें हिंदुत्व के लिए हिंदुओं को एकजुट करने के लिए एक साथ आ गई हैं। आरएसएस, वीएचपी और अन्य हिंदुत्व संगठनों की मदद से एकजुट धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं ने वक्फ बोर्ड अधिनियम, लव जिहाद, शरिया कानून, वोट जिहाद, मदरसा घृणित शिक्षा और इसके वित्तपोषण,

हिंदुओं के धार्मिक धर्मांतरण और इसके घातक प्रभावों के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हिंदुओं की बड़ी सभाओं को संबोधित करके झूठी कथाओ पर काम करना शुरू कर दिया, और कैसे एकजुट हिंदू संविधान को विनाशकारी ताकतों से बचा सकते हैं, यह बताया गया। इस सजगता ने हिंदू समुदाय में एक बड़ी सकारात्मक लहर पैदा की, और उन्होंने पहचाना कि एकता कितनी महत्वपूर्ण है, यही वजह है कि 2019 और मौजूदा लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार वोट प्रतिशत में वृद्धि हुई। पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नारे "एक है तो सुरक्षित है" और "बटेंगे तो कटेंगे" ने हिंदुओं में जबरदस्त जागृति पैदा की। श्रेष्ठता और हीनता का सीमित जातीय रवैया टूट गया और हिंदू अब एकजुट होकर मतदान कर रहे हैं। मुस्लिम नेता सज्जाद नोमानी और अन्य मौलवी और मुस्लिम संगठनों द्वारा एमवीए को वोट देने के लिए "फतवा" जारी करने से भी हिंदू एकता बढ़ी है। धुले, महाराष्ट्र लोकसभा सीट पर हुए वोट जिहाद के बारे में हिंदुओं में समझ पैंदा गई कि अगर वोट जिहाद के परिणामस्वरूप ऐसी सरकार बनती है जो मुसलमानों की महाराष्ट्र धर्म और सनातन धर्म विरोधी 17 मांगों को पूरा करती है तो यह पूरे हिंदू समुदाय के लिए कितना खतरनाक होगा। हिंदुत्ववादी ताकतों के संयुक्त प्रयासों ने हिंदू एकता को मजबूत किया और साथ ही सभी राजनीतिक दलों, खासकर हिंदुत्व का विरोध करने वाले और शरिया का समर्थन करने वालों को एक मजबूत संकेत दिया कि हिंदुओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता और उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक नहीं माना जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अपने भाषण और रैली से काफी प्रभाव डाला, खासकर मराठवाड़ा के उस क्षेत्र में जिसने लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार के खिलाफ वोट दिया था।सभी क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों की टीमों को संगठित करके और हर अंतिम व्यक्ति तक सटीक जानकारी या आख्यान पहुँचाकर झूठे आख्यानों का भंडाफोड़ करना बहुत ही कारगर साबित हुआ है। राहुल गांधी और इंडी गठबंधन द्वारा आगे बढ़ाए गए हर झूठे आख्यान को तथ्यों और आंकड़ों का उपयोग करके पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। इससे लोगों में यह जागरूकता भी बढ़ी है कि संविधान, आरक्षण, व्यापार, उद्योग, उद्योगपति, अर्थव्यवस्था, महाराष्ट्र के गुजरात के साथ संबंध और किसानों की कठिनाइयों से संबंधित झूठे आख्यानों को सत्यता के साथ जवाब दिया जा रहा है।

मराठा आरक्षण कारक ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुत नुकसान पहुँचाया। मराठा और ओबीसी जाति की राजनीति ने भाजपा और उसके सहयोगियों को काफी नुकसान पहुँचाया है। मराठों के मन को बदलना मुश्किल था, यह तथ्य प्रस्तुत करके कि कौन उनके पक्ष में था और कौन उनके खिलाफ काम कर रहा था। साथ ही, ओबीसी की भावनाओं को सावधानीपूर्वक संबोधित किया जाना चाहिए। हिंदुत्ववादी ताकतों ने इस जटिल कार्य को सहजता से पूरा किया, तथ्यों और आंकड़ों के साथ जागरूकता फैलाई कि सभी को हिंदुत्व के झंडे तले क्यों एकजुट होना चाहिए। इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को बहुत फायदा हुआ है। मराठा और ओबीसी मतदाताओं ने जातिगत राजनीति को दरकिनार कर बेहतर और महान महाराष्ट्र के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान किया।

मंडल आयोग : अधिकांश सिफारिशें ठंडे बस्ते में पड़ी हैं

ई0 प्रभात किशोर

भारत का संविधान अपने नागरिकों को समानता का अधिकार सुनिश्चित करता है, परन्तु सामाजिक भेदभाव के कारण, समाज के एक बड़े वर्ग का सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में अल्प प्रतिनिधित्व है। सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति का आकलन करने के लिए जनता पार्टी सरकार के द्वारा 1 जनवरी 1979 को श्री बी.पी. मंडल की अध्यक्षता में द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना की गई थी। आयोग ने 31 दिसंबर 1980 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, परन्तु यह कांग्रेस शासन के पूरे एक दशक तक ठंढे बस्ते में पड़ी रही। सन 1989 में जब जनता दल सरकार सत्ता में आई, तो 13 अगस्त 1990 को केंद्र सरकार और उसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सेवाओं में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की अधिसूचना जारी की गई।

रिपोर्ट से उल्लिखित है कि ह्लहिंदू और गैर-हिंदू दोनों श्रेणी के पिछडे वर्ग की जनसंख्या भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 52 प्रतिशत है। तदनुसार, केंद्र सरकार के तहत सभी पदों में से 52 प्रतिशत का यथानुपात आरक्षण उनके लिए आरक्षित किया जाना चाहिए। परन्तु यह प्रावधान उच्चतम न्यायालय के उन निर्णयों के विरूद्ध होगा, जिसमें कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत आरक्षण की कुल मात्रा 50 प्रतिशत से कम होनी चाहिए। इसे देखते हुए, पिछडे वर्गों के लिए प्रस्तावित आरक्षण की सीमा इस प्रकार निर्धारित की जाय कि अनु0 जाति एवं जनजाति के लिए प्रावधानित आरक्षण 22.5 प्रतिशत में जोड़ने पर वह 50 प्रतिशत से नीचे रहे। इन कानूनी बाधाओं को देखते हुए, आयोग ने केवल 27 प्रतिशत आरक्षण की अनुशंसा की, भले ही उनकी जनसंख्या प्रावधानित अनुशंसा से दोगुनी हो। जिन राज्यों ने पहले ही ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत से अधिक आरक्षण लागू कर दिया है, वे इस अनुशंसा से अप्रभावित रहेंगे ह्नह्न

न्यायालय के द्वारा 50 प्रतिशत सीलिंग की कानूनी बाध्यता के कारण आयोग द्वारा पिछड़े वर्ग के लिए मात्र 27 प्रतिशत आरक्षण की अनुशंसा की गई है, अन्यथा यह अनुशंसा जनसंख्या अनुपात के अनुसार यानी 52 प्रतिशत होती। अगड़ी जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के लिए वर्ष 2019 में, 103वें संविधान संशोधन के माध्यम से सीमा को बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। यही प्रक्रिया पिछड़े वर्गों को भी महज 27 प्रतिशत के स्थान पर 52 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए की जानी चाहिए थी, लेकिन खंडित दबे-कुचले तबके कभी भी सरकारों की प्राथमिकता सूची में नहीं रहे ।

जनता दल एवं बाद की अन्य दलों की केंद्र सरकारों ने मंडल आयोग की सभी अनुशंसाओं को लागू नहीं किया । आयोग की अनुशंसायें केवल सरकारी सेवाओं (जो जनसंख्या के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं हैं) के लिए नहीं हैं बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए है, ताकि एक निश्चित अवधि के बाद सभी नागरिक एक ही बेंच मार्क पर खड़े हो सकें। अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा निम्नलिखित योजनाओं की अनुशंसा की गई है, जिनका क्रियान्वयन अभी प्रतीक्षित है:-

(1) एक खुली प्रतियोगिता में गुणागुण आधार पर नियोजित पिछडे वर्ग के उम्मीदवारों को उनके 27 प्रतिशत आरक्षण कोटा में समायोजित नहीं किया जाना चाहिए।

(2) उपरोक्त आरक्षण को सभी स्तरों पर पदोन्नति में भी लागू किया जाना चाहिए।

(3) आरक्षित कोटा जो भरा नहीं गया है उसे तीन साल की अवधि के लिए आगे बढ़ाया जाना चाहिए और उसके बाद अनारक्षित किया जाना चाहिए।

(4) सीधी भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट ओबीसी के उम्मीदवारों को उसी तरह दी जानी चाहिए जैसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मामले में दी जाती है।

(5) संबंधित प्राधिकारियों द्वारा प्रत्येक श्रेणी के पदों के लिए रोस्टर प्रणाली उसी प्रकार से अपनाई जानी चाहिए जैसे वर्तमान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के संबंध में अपनाई जाती है।

(6) आरक्षण की उपरोक्त योजना केंद्र और राज्य सरकारों के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के लिए भी सभी भर्तियों पर लागू होनी चाहिए।

(7) सभी निजी क्षेत्र के उपक्रम जिन्हें सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है, उन्हें उपरोक्त आधार पर कर्मियों की भर्ती करनी चाहिए।

(8) सभी विश्वविद्यालयों और संबद्ध महाविद्यालयों को भी उपरोक्त आरक्षण योजना के अंतर्गत शामिल किया जाना चाहिए।

शैक्षिक रियायतें:-

चयनात्मक आधार पर शुरू किया गया प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम और आवासीय विद्यालय पूरे समुदाय की चेतना के बढ़ते बिंदुओं के रूप में कार्य करेंगे।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित सभी वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यवसायिक संस्थानों में पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जानी चाहिए। वे राज्य, जिन्होंने पहले ही इनके लिए 27 प्रतिशत से अधिक सीटें आरक्षित कर रखी हैं, वे इन अनुशंसाओं से अप्रभावित रहेंगे।

हमारे तकनीकी और पेशेवर संस्थानों में ऐसे सभी छात्रों के लिए विशेष कोचिंग सुविधाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि ये युवा निराश और अपमानित महसूस न करें और साथ ही देश में अकुशल और घटिया इंजीनियरों, डॉक्टरों और अन्य पेशेवरों के साथ देश न उतरे।

वित्तीय सहायता: -

व्यवसायिक समुदायों (जैसे ग्रामीण कुम्हार, तेल कोल्हू, लोहार, बढ़ई आदि) के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए अलग-अलग वित्तीय संस्थान स्थापित किए जाने चाहिए।

संरचनात्मक परिवर्तन:-

सभी राज्य सरकारों को प्रगतिशील भूमि कानून बनाने और लागू करने के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण इलाकों में मौजूदा उत्पादन संबंधों में बुनियादी संरचनात्मक परिवर्तन किए जा सकें। वर्तमान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को अधिशेष भूमि आवंटित की जा रही है। भूमि हदबंदी कानूनों आदि के लागू होने के परिणामस्वरूप भविष्य में उपलब्ध होने वाली अतिरिक्त भूमि का एक हिस्सा भी अन्य पिछड़ा वर्ग के भूमिहीन श्रमिकों को आवंटित किया जाना चाहिए।

मिश्रित: -

(1) व्यावसायिक समुदायों के कुछ वर्ग जैसे मछुआरे, बंजारे, खटवे, बाँसफोर आदि, जो अभी भी अस्पृश्यता से पीड़ित हैं, को अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल किया जा सकता है।

(2) पिछड़ा वर्ग विकास निगमों को उनकी उन्नति के लिए विभिन्न सामाजिक-शैक्षिक और आर्थिक उपायों को लागू करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर स्थापित किया जाना चाहिए।

(3) पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र और राज्यों में एक अलग मंत्रालय बनाया जाना चाहिए।

(4) अत्यंत पिछड़े वर्गों यथा-हिमाचल प्रदेश में गद्दी, महाराष्ट्र में नव-बौद्ध, तटीय क्षेत्रों में मछुआरे, जम्मू एवं कश्मीर में गुर्जरों को बेहतर प्रतिनिधित्व देने के लिए, परिसीमन के दौरान उनकी सघनता वाले क्षेत्रों को अलग निर्वाचन क्षेत्र बनाया जाना चाहिए।

केन्द्रीय सहायता:-

राज्य सरकार द्वारा सभी विकास कार्यक्रमों, विशेष रूप से पिछड़े वर्गों के लिए, केंद्र सरकार द्वारा उसी तरह और उसी सीमा तक वित्तपोषित किया जाना चाहिए जैसा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मामले में किया जाता है। पूरी योजना को केवल बीस साल (यानी एक पीढ़ी की अवधि) के बाद संशोधित किया जाना चाहिए। कम अंतराल पर कोई समीक्षा पिछडे वर्ग की वर्तमान स्थिति और जीवन शैली पर अनुशंसाओं के प्रभाव का उचित आकलन संभव नहीं होगा।

आयोग की रिपोर्ट 1931 की पिछली जनगणना के यथानुपात आधारित थी। 2021 के बाद की आगामी जनगणना में जातिवार सर्वेक्षण और पिछडे वर्गों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की लंबे समय से जनता की प्रबल मांग है। इससे न केवल कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से और कुशलता से तैयार करने में मदद मिलेगी, बल्कि समाज में असमानता को तेजी से दूर करने में भी मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

स्व.राजाराम यादव की सातवीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

चमकता राजस्थान। कोटपूतली बहरोड (धर्मेंद्र बंसल) । कोटपूतली, दिनांक25.11.2024:- निकटवर्ती ग्राम कांसली निवासी युवा समाज सेवी पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष स्व. राजाराम यादव की सातवीं पुण्यतिथि पर उनके परिजनों एंव ग्रामीणों ने स्थानीय आशीर्वाद ब्लड बैंक, भिलाई ब्लड बैंक (छत्तीसगढ़) एवं पीताम्बर ब्लड बैंक दिल्ली में रक्तमणि अभियान के अन्तर्गत स्वैच्छिक रक्तदान कर स्व. राजाराम यादव को सच्ची श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वेदप्रकाश शर्मा, सुनिल यादव, सतीश कुमार योगी, राजेन्द्र यादव, सत्यवीर सिंह यादव, दीपक यादव, पुरुषोत्तम यादव, सुमित यादव, राजवीर यादव, सोमदत्त यादव, बेगराज यादव, राजेंद्र सिंह यादव ने स्वैच्छिक रक्तदान किया व गौरवशाली रक्तमणि बने।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर 2015 से शुरू हुआ रक्तमणि कार्यक्रम सतत रूप से जारी है। ब्लड बैंक में सभी ग्रुप के रक्त की आपूर्ती ही इस कार्यक्रम का मूल उद्देशय है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन एक या अधिक व्यक्तियों का स्वैच्छिक रक्तदान करवाया जाता है तथा साथ ही यह भी ध्यान रखा जाता है ब्लड बैंक में जिस ग्रुप की कमी चल रही हो उसी ग्रुप के लोगों का स्वैच्छिक रक्तदान हो तथा आवशयकता पड़ने पर समय समय पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किये जाते है। इस अवसर पर रक्तमणि संयोजक मुकेश गोयल,डॉ सतीश यादव सुनील यादव उपस्थित रहे।

पुतली कट ओवर ब्रिज पर शुरू हुआ यातायात

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल)। 25 नवंबर। पुतली कट ओवर ब्रिज पर आज से यातायात का आवागमन शुरू हो चुका है यह जानकारी प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय आर्य ने दी। आपको बता दे की पिछले काफी समय से अधूरे ओवरब्रिज के निर्माण के चलते कोटपूतली शहर में यातायात की व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। जिला प्रशासन तथा एनएचएआई ने समन्वय से काम करते हुए अधूरे ओवरब्रिज का निर्माण पूर्ण किया। जिला प्रशासन ने निरंतर साप्ताहिक समीक्षा बैठकों में एनएचएआई के प्रतिनिधियों को जिला कलेक्टर द्वारा समय-समय पर निर्देश प्रदान किये गये। उसी के परिणाम स्वरूप आज से ओवरब्रिज से वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से शुरू हो चुका है।

एक्सीलेंस नॉलेज सिटी फॉर गर्ल्स में मेडिकल सेमिनार का हुआ भव्य आयोजन

- बीमारियों और सामान्य ज्ञान से जुड़े दिये आवश्यक दिशा-निर्देश :-डॉक्टर प्रिया मील

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) स्त्रियों में बढ़ती पीसीओडी और पीसीओएस की बीमारियों को देखते हुए एक्सीलेंस नॉलेज सिटी ×फॉर गर्ल्स में मेडिकल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रिया मील उपस्थिति रही। उन्होंने सीनियर छात्राओं को स्त्री रोग संबंधी प्राथमिक जानकारी दी। डॉक्टर प्रिया मील ने बताया कि पीसीओडी और पीसीओएस जैसी बीमारियों का इलाज सिर्फ दवाइयों से संभव नहीं है। हम अपनी जीवन में संतुलित आहार, व्यायाम और अपनी जीवन शैली में कुछ सकारात्मक परिवर्तन करके पीसीओडी और पीसीओएस के साथ-साथ कई अन्य बीमारियों से भी बच सकते हैं। सेमिनार के दौरान सीनियर छात्राओं ने डॉक्टर प्रिया मील से अपनी बीमारियों और सामान्य ज्ञान से जुड़े कई सवाल पूछे तथा जानकारी हासिल की।संस्था चैयरमेन वाहिद चौहान ने डॉक्टर प्रिया मील का धन्यवाद करते हुए सभी छात्राओं से अपनी दिनचर्या में नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन को जोड़ने की गुजारिश की।

गुलाबी नगरी जयपुर में की गई रिटायरमेंट फिल्म की स्क्रीनिंग

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) फिल्म निर्माता एवं क्रिएटिव डायरेक्टर मीनाक्षी परमार वासवानी ने बताया की फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म के सह निर्माता बसंत वासवानी और जया गुप्ता एवं साथ ही फिल्म के लेखक एवं निर्देशक बन्टी कुमार मित्तल, डीओपी और एडिटर पलक गुप्ता मौजुद रहे।इस दौरान फिल्म के मुख्य कलाकार राजकुमार, कल्पना, विनोद शर्मा, दिनेश पँवार एवं त्रिलोक नौलखा भी मौजूद रहे।जर्नलिस्ट राखी शुक्ला ने बताया कि इस फिल्म में रिटायरमेंट के ऊपर बहुत ही प्यारा संदेश दिया गया है जो कि हर किसी को देखना चाहिए।यह फिल्म वर्तमान परिस्थितियों पर बिल्कुल प्रासंगिक है।जल्द ही इस फिल्म को टीवी चैनल्स के माध्यम से पूरे भारतवर्ष में दिखाया जाएगा साथ ही शिक्षण संस्थानों में भी इस फिल्म को लांच किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका, शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को बनाएंगे मॉडल स्टेट : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

स्कूल शिक्षा विभाग में लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर हुई नियुक्तियां, 18 हजार कार्मिकों को मिली पदोन्नति

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट घोषणाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। श्री शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर दी गई नियुक्तियां

» मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नति की गई है। प्राध्यापक स्कूल शिक्षा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड 2 एवं ग्रेड 3 तथा वरिष्ठ अध्यापक के कुल 5 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, विभिन्न संवर्गों में चयनित 515 अभ्यर्थियों को दिसम्बर माह में नियुक्तियां दे दी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को रिक्त पदों पर चरणबद्ध रूप से भर्ती करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर विद्यालयों में लगाए जाएं शिक्षक

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवशयकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने विद्यालयों में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने की दृष्टि से चरणबद्ध रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में भामाशाहों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विभाग को 12 हजार 400 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हरियालो राजस्थान तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विभाग द्वारा रिकॉर्ड संख्या में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रखर राजस्थान रीडिंग कैम्पेन, पीएमश्री विद्यालय, शाला सम्बलन एप, खेल प्रतियोगिता एवं ई-पाठशाला कार्यक्रम सहित अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं।इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर,अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल चतुर्वेदी,निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

- 17 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल,4 केन्टर सामान जब्त

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 25 नवम्बर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में इण्डिया गेट, बम्बाला पुलिया, सीतापुरा पुलिया एवं टोंक रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 17 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 04 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में इण्डिया गेट, बम्बाला पुलिया, सीतापुरा पुलिया एवं टोंक रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 04 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 17 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी से किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी ने की मुलाकात

- खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों पर मुखर रूप से परिचर्चा

चमकता राजस्थान। दिल्ली/जयपुर (खलील कुरैशी) 25 नवंबर 2024 केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी के दिल्ली स्थित कृषि भवन कार्यालय में सोमवार को राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी ने मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के खेती-किसानी से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ₹उन्नत कृषि - समृद्ध किसान₹ के मूलमंत्र के साथ काम कर रही है। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने राजस्थान के किसानों की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की। साथ ही प्रदेश में उन्नत तकनीक और योजनाओं के जरिए कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। भागीरथ चौधरी ने कहा कि सरकार किसानों के हित में ठोस कदम उठा रही है और केंद्र एवं राज्य के समन्वय से कृषि विकास के लिए योजनाएं बेहतर तरीके से जमीनी स्तर पर क्रियान्वित हो रही हैं।

भरतपुर जिले में उद्योग नगर थाना पुलिस की कार्रवाई

- रीको एरिया स्थित पीएनबी बैंक में फायरिंग कर दिनदहाड़े लूट की वारदात का 10 हजार रुपये का इनामी आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर/भरतपुर! (खलील कुरैशी) 25 नवम्बर। भरतपुर में थाना उद्योग नगर क्षेत्र के रीको एरिया स्थित पीएनबी बैंक में 12 जनवरी को दिनदहाडे फायरिंग कर लूट करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी विष्णु ठाकुर पुत्र मुकेश (25) निवासी खूबचन्द का पुरा थाना कंचनपुर जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया है।एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 12 जनवरी 2024 की दोपहर करीब 12:30 बजे रीको एरिया स्थित पंजाब नेशनल बैंक में पहुंचे तीन नकाबपोश बदमाश फायरिंग कर स्टाफ को धमका कर कैश काउंटर से 24 हजार 380 रुपए लूट कर भाग गए थे। शाखा प्रबंधक अंकुश मित्तल की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।एसपी कच्छावा ने बताया कि एसएचओ हनुमान सहाय के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सीसीटी वीफुटेज,घटनास्थल पर मिले सबूत अन्य तकनीकी साक्षयों व आसूचना संकलन के आधार पर 16 अक्टूबर को घटना के दो आरोपियों अजीत ठाकुर व कल्याण सिंह एवं 20 अक्टूबर को कल्ला उर्फ करुवा उर्फ लक्ष्मन को गिरफ्तार किया था।मामले में आरोपी विष्णु ठाकुर एवं रोहितास उर्फ नानू फरार चल रहे थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतीश यादव व सीओ आकांक्षा के सुपरविजन में एसएचओ हनुमान सहाय मय टीम द्वारा रविवार को एक आरोपी विष्णु ठाकुर को आसूचना संकलन कर तकनीकी मदद से गिरफ्तार कर लिया है।

कोटा के युवक की हत्या के चार आरोपी किये गिरफ्तार

बारां जिले की डीएसटी व थाना कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई

लड़की भगाने पर युवती के परिजनों ने चलती गाड़ी में युवक को चाकू मार दिया था

चमकता राजस्थान

जयपुर/बारां!(खलील कुरैशी) 25 नवम्बर। बारां में लड़की भगाने से खफा परिजनों द्वा-रा युवक की चाकू मार कर हत्या करने के मामले में जिला स्पेशल टीम एवं थाना कोतवाली पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई युवती के भाई सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि कोटा के थाना उद्योग नगर क्षेत्र में प्रेम नगर निवासी युवक नितिन सिंह का अमृत नगर कॉलोनी रायपुरा निवासी एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। 19 नवंबर की रात नितिन युवती को भगा ले गया। इसके बाद युवती एवं नितिन के परिजन दोनों मिलकर उन्हें ढूंढ रहे थे। इसी दौरान किसी तरह युवती के परिजनों को दोनों के बारां में होने की जानकारी मिल गई।जानकारी मिलने पर लड़की का भाई अरविंद सिंह और अन्य परिजन बारां पहुंच गए और दोनों को लेकर गाड़ी से कोटा के लिए रवाना हुए। रास्ते में कहासुनी होने पर आरोपियों ने नितिन के सीने पर चाकू से वार कर दिया। अचेत होकर गिर जाने पर आरोपी नितिन को राजकीय चिकित्सालय बारां में भर्ती कराकर फरार हो गये। सूचना पाकर नितिन सिंह के परिजन अस्पताल पहुंचे। पिता लक्ष्मण सिंह की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।एसपी चौधरी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी व सीओ ओमेंद्र सिंह के सुपरविजन तथा एसएचओ रामविलास मीणा व डीएसटी प्रभारी लइक अहमद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।गठित विशेष टीम द्वारा अथक प्रयास कर घटना के चार आरोपियों युवती के भाई अरविंद सिंह पुत्र शिवराज सिंह (30) निवासी अमृत नगर कॉलोनी रायपुरा थाना उद्योग नगर व अन्य बलवीर सिंह राजपूत पुत्र दशरथ सिंह (40) निवासी पार्श्वनाथ सिटी थाना नान्ता, दीप सिंह उर्फ दीपांशु पुत्र विक्रम सिंह राजपूत (20) एवं प्रदीप सिंह उर्फ टोलू पुत्र विक्रम सिंह राजपूत (19) निवासी प्रेम नगर प्रथम थाना उद्योग नगर कोटा शहर को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी में डीएसटी प्रभारी लइक अहमद एवं एसपी ऑफिस में हैंड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही है।

उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई के मजबूत इरादों से जेडीए ने बेशकीमती सरकारी भूमि को करवाया भू-माफियाओं से मुक्त

जोन-13 में साढ़े पॉच बीघा सरकारी भूमि पर जेडीए ने दिया प्रभावी कानूनी कार्रवाई को अंजाम

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 25 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में दिल्ली रोड़, ग्राम गुणवत्ता में करीब 5.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम गुणवत्ता, में बी.एस.एफ. केम्प के पास, जिला जयपुर के खसरा नं. 5 व 6/1828 में करीब 5.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर ग्रेवल-सड़क डालकर, सीमेन्ट के पिल्लर गाड-कर, तारबंदी कर अवैध रूप से खेती की जाने की सूचना प्राप्त होने पर उपायुक्त जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वा-रा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन- द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, स्थानीय पुलिस थाना आमेर का जाप्ता तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 59.5 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा चुका है।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in enforcementjda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं हों सुनिश्चित, सरकारी योजनाओं का हो बेहतर क्रियान्वयन

- जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला निष्पादक समिति की बैठक

चमकता राजस्थान। जयपुर, (खलील कुरैशी) 25 नवंबर। जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करावें, साथ ही विद्यालयों में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये, साथ ही विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।जिला कलक्टर ने ज्ञान धरा अभियान के तहत भूमि विहीन विद्यालयों को जल्द से जल्द भूखंड एवं खेल मैदान की व्यवस्था करने एवं समस्त राजकीय विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने शिक्षा अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में नामांकन वृद्धि करने, जन आधार प्रमाणिकरण, आधार प्रमाणिकरण सहित अन्य आवंटित कार्यों से जुड़े लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारियों सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा सहित सभी उपखण्डों के शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों को रोजगार एवं बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाना हो सुनिश्चित

भिक्षावृत्ति मुक्त जिला बनेगा जयपुर, अभियान के तहत होगा पुनर्वास

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 25 नवंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए विभागीय अधिकारी आपसी सहयोग एवं समन्वय से हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों का प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया ताकि ऐसे व्यक्ति भिक्षावृत्ति को छोड़कर अपने कौशल और मेहनत के दम पर सम्मानजनक जीवन शुरू करें। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास को लेकर बैठक ली। जयपुर में आगामी 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन होगा। इस विश्व स्तरीय आयोजन में जयपुर की गौरवशाली परंपरा एवं छवि धूमिल ना हो इसके लिए भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का जल्द से जल्द पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा बैठक में पुलिस एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूचना जिला प्रशासन एवं मानव सेवा संस्थान जयपुर द्वारा संचालित हेल्पलाइन नम्बर 9929902320 को देक-र रेस्क्यू में सहयोग प्रदान करने

जयपुर की गौरवशाली छवि के साथ नहीं होगा किसी भी कीमत पर समझौता

साथ ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त भिखारियों एवं निर्धन व्यक्तियों के विरूद्ध निरोधात्मक एवं कठोर कानूनी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। वहीं, नगर निगम के अधिकारियों को चिन्हित पुनर्वास गृहों की साफ-सफाई, शौचालयों की मरम्मत, पुनर्वास गृहों में भिखारियों के लिए आधारभूत सेवाओं की व्यवस्था करने, चिन्हित पुनर्वास गृहों को श्नी अन्नपूर्णा रसोई योजना से लिंक करते हुए योजना के माध्यम से भिखारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ-साथ मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना में पंजीकृत कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का निशुल्क कोरोना, टी.बी., एच.आई.वी एवं अन्य जांच कर उपचार करने, चिन्हित पुनर्वास गृहों में चिकित्सा एवं जांच सुविधा उपलब्ध करने प्रत्येक पुनर्वास गृह को निकटतम राजकीय चिकित्सालय से जोड़ते हुए भिखारियों की जांच एवं उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों को भिक्षावृति में लिप्त बच्चों सूची बनाकर शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराना, विभाग द्वारा संचालित बाल गृहों, निराश्रित गृहों में प्रवेश दिलाकर षिक्षा के अधिकार के तहत शिक्षा से जोड़ने के लिए स्थानीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने, बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर विभागीय गृहों में प्रवेश दिलवाने के निर्देश दिये गए। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को पुलिस एवं स्वयं सेवी संस्थाओं एवं अन्य विभागों से समन्वय एवं सामंजस्य स्थापित करने, स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भिक्षावृति में लिप्त व्यक्तियों को सर्वे उपरान्त चिन्हित कर पात्रता अनुसार बाल गृह, महिला गृह, मानसिक विमंदित गृह, वृद्धाश्रम अथवा पुनर्वास गृह आदि में प्रवेश दिलाकर देखभाल करवाने, स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भिक्षावृति में लिप्त चिन्हित व्यक्तियों के आधार कार्ड/जनाधार कार्ड आदि तैयार कर प्राथमिकता से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए निर्देश दिये गए।जिला कलक्टर ने राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के अधिकारियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चिन्हित भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूची के अनुसार 25 व्यक्तियों का एक बैच बनाकर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, प्रशिक्षित व्यक्तियों को विभागों द्वारा संचालित एवं बैंकों द्वा-रा उपलब्ध ऋण अथवा अनुदान एवं अन्य योजनाओं से जोडकर नियोजित करने के साथ-साथ फॉलो अप कार्यक्रम के द्वा-रा उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।बैठक में मानव सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था, सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान, सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारियों को चयनित आश्रय स्थल पर विभागीय निर्देशों के अनुसार आवश्यक व्यवस्था तथा परामर्शी सेवाएँ सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया गया।बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड सहित नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति के पदाधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं मानव सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान, सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना'

कृषि विद्युत कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार बिना पेनल्टी के होगें नियमित

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 नवम्बर। कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की हुई है। योजना के तहत कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रभावी रहेगी।

डिस्कॉम चेयरमैन व जयपुर डिस्कॉम की प्रबन्ध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढे हुए भार को मात्र 60 रू प्रति एचपी की दर से धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित करवा सकते है। ऐसे उपभोक्ताओं से कोई भी पैनल्टी राशि नही ली जाएगी।

● योजना से किसानों को फायदा

किसानों को फसल की सिंचाई के लिए पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली मिलने के साथ ही फसल को पानी देते समय ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत बढे हुए विद्युत भार के नियमित होने से डिस्कॉम द्वारा उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर किसानों को बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।

● योजना के प्रावधान

यह योजना 31 दिसम्बर, 2023 तक जारी कृषि कनेक्शनों पर लागू होगी। ऐसे कृषक जो उसी कुएं पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते हैं अथवा दूसरे कुएं पर जो उसी खसरा/खेत/परिसर/मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चालाने के लिए भार बढाते हैं उन्हें इस योजना का लाभ नही दिया जाऐगा, यद्यपि पूर्व में दो मोटरें स्वीकृत हैं एवं कृषक उनके भार में वृद्धि करना चाहता है तो वह इस योजना का लाभ ले सकता है। इसके साथ ही दो वर्ष पूर्व तक कटे हुए कृषि कनेक्शनों को यदि उपभोक्ता भार वृद्धि के साथ जुडवाना चाहता है तो वह भी इस योजना का लाभ ले सकता है। योजना का लाभ उठाने वाले कृषि उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक होने पर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि व नई 11 केवी लाईन एवं सब-स्टेशन का खर्चा डिस्कॉम द्वारा वहन किया जाऐगा। स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू होने के दौरान यदि किसी कृषि उपभोक्ता के बढे हुए भार की वीसीआर भरी जा चुकी है तो वह भी इस योजना के प्रावधानो के अनुसार नियमित कर दी जाएगी। उन्होने बताया कि योजना की समाप्ति 31 दिसम्बर, 2024 के उपरान्त भार सत्यापन के लिए विशेष चैंकंग अभियान चलाया जाऐगा और चैकिंग के दौरान स्वीकृत भार से अधिक भार पाए जाने पर बढे हुए भार पर कृषि नीति के अनुसार राशि वसूल की जाएगी।

कृषि विद्युत उपभोक्ताओं से अपील है कि योजना अवधि में बिना पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर अपने बढे हुए भार को नियमित करवाकर स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना का लाभ उठाऐं।

उच्चैन थाने की जीप पलटी

एएसआई समेत 5 पुलिसकर्मी घायल, स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) प्राप्त जानकारी अनुसार भरतपुर जिले की उच्चैन थाने की जीप कार्यवाही करने के लिए जाते वक्त रस्ते में एक स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में पलटकर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। घटना में 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए जिसमें से 4 पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर है तथा एक पुलिसकर्मी को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। एएसपी सतीश कुमार ने बताया कि घटना करीब 9 बजकर 30 मिनट की है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चल रहा है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहे थे। इस दौरान सेवर थाना इलाके में सेवर तिराहे स्थित रूद्र होटल से एक स्कूटी सवार महिला लापरवाही से पुलिस की जीप के आगे आ गई। स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में पुलिस की जीप अनियंत्रित हो गई और तीन से चार पलटी खा गई। जीप में बैठे एएसआई कंचन सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर जयसिंह, हेड कांस्टेबल ब्रह्म स्वरूप, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल विश्वेंद्र सिंह और कंचन सिंह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला। घटना की सूचना सेवर थाना पुलिस को दी गई जिसके बाद सभी को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया। कांस्टेबल विश्वेंद्र के मामूली चोट आई है जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है जबकि कंचन सिंह के ज्यादा चोटें आई है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

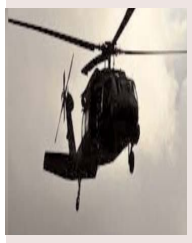

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर इलाके से एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना की खबर सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इसमें एक अन्य के घायल होने की खबर है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद पुरुष यात्री (40) को तुरंत ही एम्बुलेंस कर्मियों द्वारा उपचार दिया गया, मगर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं हेलीकॉप्टर पायलट (39) को इलाज के लिए मेलबर्न के एक अस्पताल भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर पायलट को कुछ मामूली चोटें आई थी, जिसका उपचार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) ने इस हादसे की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों व्यक्ति एक अमेरिकी पंजीकृत सुपर प्यूमा हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। यह विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास न्यू साउथ वेल्स में, सिडनी से लगभग 600 किमी पश्चिम और मेलबर्न से 400 किमी उत्तर में वन ट्री नाम के छोटे से शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑस्ट्रेलियाई समुद्री सुरक्षा प्राधिकरण (एएमएसए) ने कहा कि उसे स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे हेलीकॉप्टर से संकेत मिला। जवाब में, एएमएसए ने खोज शुरू करने के लिए एक बचाव विमान और एयर एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर भेजा। खोज में सहायता करने वाले एक स्थानीय स्काईडाइविंग विमान ने दुर्घटना स्थल का पता लगाया। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय न्यू साउथ वेल्स के ब्रोकन हिल और एल्बरी शहरों के बीच लगभग 680 किलोमीटर की यात्रा कर रहा था। वहीं इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो का कहना है कि वह इस दुर्घटना की जांच करेगा।

नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में सिडनी हवाई अड्डे पर पकड़े गए इतावली नागरिक को हो सकती है उम्रक़ैद की सजा

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया में एक इटली के रहने वाले व्यक्ति को नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सिडनी हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने एक 18 वर्षीय इतालवी व्यक्ति के सामान में कथित तौर पर 15 किलोग्राम मेथामफेटामाइन पाया था, जिसके बाद उस पर यह कार्रवाई की गई है। उस व्यक्ति को अदालत में नशीली दवाओं के केस में आरोपी बना कर पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि एबीएफ अधिकारियों ने बुधवार को यूरोप से उड़ान भरकर सिडनी पहुंचने पर उस व्यक्ति के सामान की जांच की। अधिकारियों को कथित तौर पर उस व्यक्ति के सूटकेस में बड़े काले प्लास्टिक के पैकेट में छिपे हुए सफेद पदार्थ के पैकेट मिले। शुरुआती जांच में पता चला कि यह पदार्थ मेथामफेटामाइन है। इस दवा पर ऑस्ट्रेलिया में नियंत्रण लगाया गया है। एएफपी ने उस व्यक्ति को सीमा-नियंत्रित दवा की वाणिज्यिक मात्रा आयात करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, मेथामफेटामाइन की इस मात्रा से 150,000 तक सौदे किए जा सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 8.4 मिलियन डॉलर) है। एएफपी के डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट मोर्गन ब्लुंडेन ने एक बयान में कहा, सभी जोखिमों के बावजूद, हम अभी भी नियमित रूप से उन लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे हवाई अड्डों के माध्यम से हमारे देश में अवैध ड्रग्स लाने का प्रयास किया है। बता दें कि इस साल नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई आपराधिक खुफिया आयोग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में मेथामफेटामाइन को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी सबसे अधिक खपत की जाने वाली अवैध दवा के रूप में पहचाना गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी के सऊदी अरब से जुड़े बयान पर मच गया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की परेशानियां सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुई थीं। उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने 'एक्स पर पोस्ट की गई बुशरा बीबी की वीडियो क्लिप को लेकर उनकी आलोचना की। बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को वीडियो बयान में कहा कि खान की समस्याएं उस समय शुरू हुईं जब वह (खान) मदीना गए और उन्हें बिना जूतों के अपने विमान से बाहर आते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पास फोन आने लगे। उन्होंने खान की सितंबर 2018 की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, खान के लौटने के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे और कहा गया कि 'ये तुम क्या उठा के लाए हो? इस वीडियो का उद्देश्य खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों को रविवार को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था।

इजरायली हवाई हमलों से बेहाल हुआ लेबनान राजधानी बेरुत पर आईडीएफ का खतरनाक प्रहार

बेरुत, एजेंसी। इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ को खत्म करने की कसम खा चुका है। अपनी इस कसम को पूरा करने के लिए इजरायल लगातार हमले कर रहा है। कई रॉकेटों के साथ किए गए इस इजरायली हमले से लेबनान की राजधानी हिल गई। लेबनान के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक शनिवार की सुबह तड़के ही इजरायल की तरफ से यह हमला किया गया। इस हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए थे। इसमें कई इमारतें ध्वस्त हो गई। इमारतों में फंसे लोगों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बेरुत के बस्ता इलाके में यह हमला किया गया। विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों स्थानीय लोगों की मदद से इलाकें में मदद की व्यवस्था की। लेबनान की मीडिया के मुताबिक इस हमले में कम से कम चार इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि इसके आसपास की भी कई इमारतें बुरी तरफ क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले एक सप्ताह में इजरायल द्वारा बेरूत पर किया गया यह चौथा हमला है। पिछले हफ्ते में हिजबुल्लाह के एक प्रवक्ता की मौत हो गई थी।

इजरायल का लेबनान पर हमला पिछले कई महीनों से जारी है। यह पूरी लड़ाई 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुई थी, जब हमास के आतंकियों ने इजरायल की सीमा के अंदर घुसकर आम नागरिकों की हत्या की और कई नागरिकों को बंधी बनाकर अपने साथ ले गए। इस हमले के बदले में इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमला बोल दिया। गाजा के समर्थन में उतरे लेबनान में इजरायल पर हवाई हमले करना जारी रखा। शुरुआती समय में इजरायल ने चेतावनी देते हुए लेबनान से कहा कि वह हमला करेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना होगा। इसके बावजूद भी हिजबुल्लाह नहीं रुका। बदले की कार्रवाई करते हुए इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ने के बाद लेबनान का रुख किया। संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण के बाद इजरायली राष्ट्रपति ने कहकर हिजबुल्लाह चीफ को हवाई हमले में मार गिराया। लेबनान में सैन्य कार्रवाई करते हुए इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह को नेस्तानाबूद करने की कसम खाई। वर्तमान में इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच में लेबनान की दक्षिणी सीमा पर लड़ाई जारी है। दूसरी तरफ इजरायल अपने हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह की कमर तोड़ने में लगा हुआ है। इजरायली सेना की मानें तो वह लेबनान में उन सभी जगहों, इमारतों को निशाना बना रहा है, जो हिजबुल्लाह के कंट्रोल में हैं। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह भी पीछे ना हटते हुए लगातार इजरायली जमीन पर रॉकेट और मिसाइलों से हमला कर रहा है।

नेतन्याहू के अरेस्ट वॉरेंट पर अमेरिका हुआ नाराज, इसे जल्दबाजी बताया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसले को खारिज कर दिया, जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों का आरोप है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस वार्ता में फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने वारंट मांगने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की और परेशान करने वाली प्रक्रिया की त्रुटियों की ओर इशारा किया जिसके कारण यह नतीजा निकला।

जीन-पियरे ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र की कमी के बारे में स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियोजक चाहे कुछ भी कहे, कोई सबूत नहीं है, इज़राइल और हमास के बीच कोई सबूत नहीं है। व्हाइट हाउस अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए इज़राइल सहित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की, हम मौलिक रूप से इस बात को खारिज करते हैं कि स्थिति पर आईसीसी का अधिकार क्षेत्र है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं और हम इसे जारी रखेंगे। यह बयान तब आया है जब अमेरिका अपने नेताओं के खिलाफ आईसीसी के आरोपों के बीच इजरायल के प्रति समर्थन दिखाना जारी रखता है। हेग में आईसीसी ने नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया और उन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया। आरोपों में गाजा में नागरिकों को निशाना बनाने और भुखमरी की नीतियां लागू करने के आरोप शामिल हैं।

महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ सप्तम दीक्षांत समारोह

- **''स्वस्थ राजस्थान, समृद्ध राजस्थान'':- उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा की गरिमामय उपस्थिति में जयपुर स्थित महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह हुआ आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा कैंसर उपचार हेतु प्रदेश की प्रथम साइबरनाइफ मशीन, ग्यारह मंजिला हीमेटोलॉजी टॉवर एवं द्वितीय पेट स्कैन मशीन का उद्घाटन किया गया इस मौके पर अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि निश्चित ही इन अत्याधुनिक सुविधाओं से न केवल रोगियों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी, अपितु चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को भी नई दिशा मिलेगी।हमारी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हों, मरीजों को बेहतर इलाज के लिए अन्य राज्यों की ओर न जाना पड़े, एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में हमारा राज्य देश में अग्रणी स्थान प्राप्त करे।इस दौरान चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहें।

मेरी चीन की यात्रा काफी सफल रहेगी: ओली

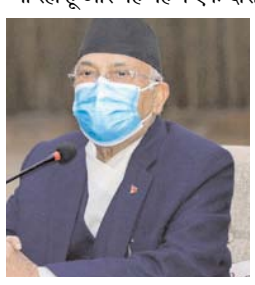

काठमांडू, एजेंसी। 'मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि चीन की उनकी आगामी आधिकारिक यात्रा काफी सफल रहेगी। कार्यभार संभालने के बाद किसी पड़ोसी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। ओली ने कहा, ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उत्पादकता बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।' हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ओली की यात्रा और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का खुलासा: जहर देने की कोशिश, पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर लगाए आरोप

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने गुरुवार को खुलासा किया कि 2022 में पदभार ग्रहण करने से कुछ दिन पहले उन्हें और उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन को जहर देने की कथित कोशिश की गई थी. गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लूला ने कहा, जैसा कि सीएनएन ने उद्धृत किया कि मुझे अब बहुत आभारी होना चाहिए, और भी अधिक इसलिए क्योंकि मैं जीवित हूं. मुझे और (उपराष्ट्रपति) अल्कमिन को जहर देने की कोशिश सफल नहीं हुई, अब हम यहां हैं. सीएनएन ब्राजील के अनुसार, यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और 36 अन्य पर 2022 के चुनावों के बाद तख्तापलट की साजिश की जांच में अभियोग लगाया गया है. जांच में आरोप लगाया गया है कि बोल्सोनारो को लूला को उनकी चुनावी जीत के बाद पदभार ग्रहण करने से रोकने की योजनाओं की पूरी जानकारी थी. ब्राजील की संघीय पुलिस ने निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी. सैकड़ों पन्नों की इस रिपोर्ट में उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी

मोरेस की हत्या की योजना का विवरण दिया गया है. सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में जहर और विस्फोटक शामिल थे. मंगलवार को, कथित साजिश के सिलसिले में बोल्सोनारो के पूर्व सलाहकार और सेवानिवृत्त जनरल मारियो फर्नांडीस सहित पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. संदिग्धों ने कथित तौर पर सरकार का नियंत्रण जब्त करने के लिए एक संस्थागत संकट प्रबंधन कार्यालय बनाने की मांग की. अभियोग के जवाब में, बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने अभी तक आरोपों की समीक्षा नहीं की है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि संघीय पुलिस की ओर से इस अभियोग में क्या है. मैं वकील का इंतजार करूंगा. जाहिर है, यह अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में जाएगा. यह पीजीआर में है कि लड़ाई शुरू होती है. मैं उस टीम से कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकता जो मेरी निंदा करने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जस्टिस मोरेस की भी आलोचना की. आरोपित लोगों में बोल्सोनारो के पूर्व रक्षा मंत्री वाल्टर ब्रागा नेट्टो, पूर्व सुरक्षा प्रमुख ऑगस्टो हेलेनो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी की हत्या के बारे में सोचना भले ही कितना भी घिनौना क्यों न हो, यह कोई अपराध नहीं है. जांच 8 जनवरी के दंगों के बाद चल रहे तनाव को बढ़ाती है, जिसके दौरान बोल्सोनारो समर्थकों ने लूला की जीत के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला था.

डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज की एलन मस्क की सिफारिश, अपने ही करीबी को बड़ा जिम्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव यानी कैबिनेट में वित्त मंत्री के पद के लिए एलन मस्क की पसंद को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने अपने करीबी स्कॉट बेसेंट को ट्रेजरी सचिव नियुक्त किया है। ट्रंप के इस कदम के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। हेज फंड के दिग्गज स्कॉट बेसेंट ट्रम्प के आर्थिक विचारों का समर्थन करते हैं। वहीं मस्क ने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण वाले हॉवर्ड लुटनिक के नाम का समर्थन किया था। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पहले ही इस मामले पर अपने विचार रखते हुए अपना पक्ष रखा था। मस्क ने सार्वजनिक रूप से हॉवर्ड लुटनिक को समर्थन देते हुए कहा था कि वह जरूरी परिवर्तन ला सकते हैं। हालांकि ट्रंप स्क्वायर ग्रुप के संस्थापक बेसेंट ट्रम्प की आर्थिक नीतियों, खास कर उनके टैरिफ समर्थक रुख के बड़े समर्थक रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के साथ बैठक के बाद 62 वर्षीय बेसेंट की नियुक्ति की गई है। ट्रंप ने शनिवार को एक बयान में कहा, स्कॉट मेरे साथ मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए काम करेंगे। स्कॉट और उनके परिवार को बधाई। इससे पहले एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के कैबिनेट मंत्री चुनने के फैसले पर चर्चा करते हुए लिखा था, इस पर और लोगों की राय सुनना दिलचस्प होगा ताकि डोनाल्ड ट्रंप फीडबैक पर विचार कर सके। उन्होंने आगे लिखा, मेरा विचार यह है कि स्कॉट बेसेंट एक विकल्प हो सकते हैं। हालांकि हॉवर्ड लुटनिक सच में बदलाव ला सकते हैं। आम फैसले लेने की वजह से अमेरिका दिवालिया हो सकता है इसलिए हमें किसी न किसी तरह से बदलाव की जरूरत है।

कौन हैं स्कॉट बेसेन्ट : स्कॉट बेसेन्ट ने राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप को आर्थिक नीति पर सलाह दी थी। वह की स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट की स्थापना कर चुके हैं। स्कॉट ब्रिटिश पाउंड और जापानी येन के खिलाफ अपने सफल दांव के लिए जाने जाते हैं। सोरोस फंड मैनेजमेंट में हेज फंड एक्जीक्यूटिव और पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका के लिए पहचान बनाने वाले स्कॉट बेसेन्ट ट्रंप की ट्रेजरी सचिव के लिए पहली पसंद थे। ट्रंप का चयन वित्तीय जगत में बेसेन्ट की सफलता और जॉर्ज सोरोस के साथ एमएजीए एजेंडे के लिए उनके समर्थन से भी प्रभावित है।

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा-ट्रंप की वापसी से बहुत दुख हुआ, वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती

लंदन, एजेंसी। पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें बहुत 'दुख हुआ क्योंकि वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती हैं। मर्केल ने कहा कि और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी: आप या मैं। जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है।

मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान सत्ता में थीं - यह उनके 16 साल के कार्यकाल में जर्मन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे तनावपूर्ण अवधि थी, जो 2021 के अंत में समाप्त हुई। उन्होंने 'ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में एक चर्चित अजीबोगरीब पल को एक खास दृश्य के रूप में याद किया, जब वह पहली बार मार्च 2017 में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने गई थीं। फोटोग्राफर ने आवाज लगायी हाथ मिलाइए। और मर्केल ने धीरे से ट्रंप से पूछा: क्या आप हाथ मिलाना चाहते हैं? ट्रंप की ओर से कोई जवाब नहीं

आया, जो अपने हाथ जोड़कर सामने देखते रहे। मर्केल ने कहा, मैंने फोटोग्राफर के वास्ते हाथ मिलाने के लिए उन्हें मनाने की कोशिश की क्योंकि मैंने अपने रचनात्मक तरीके से सोचा कि शायद उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे ऐसी तस्वीर चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने सोच-समझकर यह इनकार किया था। इस यात्रा के दौरान अन्य मौकों पर भी दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मर्केल ने कहा, ''कमरे में जितने अधिक लोग थे, विजेता बनने की उनकी इच्छा उतनी ही अधिक थी। उन्होंने कहा, ''आप उनसे बात नहीं कर सकते। हर भेंट एक प्रतियोगिता है: आप या मैं। मर्केल ने कहा कि उन्हें पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप की जीत पर 'दुख महसूस हुआ।

अपने पार्टनर को धोखा देना अपराध नहीं, अमेरिकी कोर्ट ने बदल दिया 100 साल पुराना कानून

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक कोर्ट ने शुक्रवार को सौ साल से भी ज्यादा पुराने कानून को निरस्त कर दिया है। इसके बाद अब यहां अपने जीवनसाथी को धोखा देना अपराध के तहत नहीं आएगा। गवर्नर कैथी होचुल ने 1907 में बने इस कानून को निरस्त करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। एडल्ट्री यानी अपने साथी के अलावा किसी और से संबंध रखने को लेकर पिछले कई सालों से यह बहस जारी है कि इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाए या नहीं। अमेरिका की कई राज्यों में एडल्ट्री पर प्रतिबंध को लेकर सख्त कानून है। इसे उस वक्त बनाया गया था जब पति या पत्नी के धोखा देने को साबित करना ही कानूनी तलाक पाने का एकमात्र तरीका था। कानून का मकसद देश में तलाकों की संख्या को कम करना था। कुछ राज्यों ने बीते कुछ सालों में ऐसे कानूनों को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। विधेयक को मंजूरी देते हुए गवर्नर ने कहा, मैं अपने पति के साथ 40 साल तक एक अच्छा विवाहित जीवन जीने के लिए भाग्यशाली रही हूं। इसीलिए मेरे लिए एडल्ट्री को अपराध मुक्त करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर करना थोड़ा विडंबनापूर्ण है। मैं जानती हूं कि लोगों के बीच अक्सर जटिल रिश्ते होते हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने चाहिए न कि

हमारी न्याय प्रणाली द्वारा। आइए इस बेतुके, पुराने कानून को हमेशा के लिए खत्म किया जाए। न्यूयॉर्क में एडल्ट्री की परिभाषा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ उस समय यौन संबंध बनाता है जब उसका कोई जीवित जीवनसाथी होता है, या दूसरे व्यक्ति का कोई जीवनसाथी होता है तो उसे धोखा माना जाता है । न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख के अनुसार इस कानून का कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है जिसमें तीन साल तक जेल की सजा दी जाती थी। बिल लाने वाले विधानसभा सांसद चार्ल्स लैविन ने कहा कि 1970 के दशक से इस कानून के तहत लगभग एक दर्जन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और उनमें से केवल पांच मामलों में दोष साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कानून हमारी रक्षा करने और असामाजिक व्यवहार को रोकने के लिए होते हैं। यह कानून किसी भी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है। इसका आखिरी बार 2010 में इस्तेमाल किया गया था।

रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए ग्रेनेल को विशेष दूत चुन सकते ट्रंप, समर्थक नाराज : वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप, जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद के लिए उनके पूर्व खुफिया प्रमुख रिचर्ड ग्रेनेल को चुना जा सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल 2017-2021 के दौरान ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के जर्मनी में राजदूत और खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक रह चुके हैं। ट्रंप के चुनाव अभियान में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी और वे अमेरिका के विदेश मंत्री बनने के प्रबल दावेदार भी थे। यदि उन्हें यह पद मिलता है, तो वह रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि ट्रंप यह पद बनाएंगे या किसी और को इसके लिए चुनेंगे।

मूर्खों को सुनाई दिया सिर्फ 'सम्भोग'.....

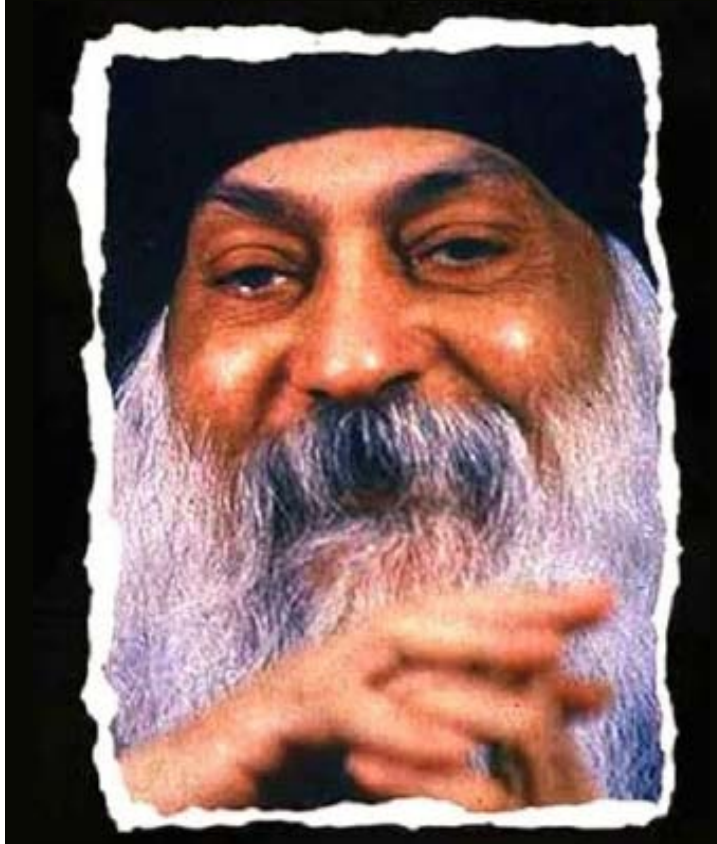

ओशो

एक बुद्ध, एक कृष्ण या एक मिस्टिक का नाम लो, जिस पर मेरी किताब न हो। कोई एक महान पुस्तक बताओ, जिस पर मेरे संवाद न हों। एक सूफी, एक संत, एक दार्शनिक या एक वैज्ञानिक बताओ जिस पर मैंने न कहा हो। कोई राधा, कोई सीता, कोई मीरा, कोई राबिया, कोई लल्ला, कोई मल्ली बता दो। एक मनु, एक मार्क्स, एक लेनिन, एक फ्रायड, एक जुंग, एक एडलर बता दो। मैं लगातार अस्तित्वगत चेतना और स्त्री-पुरुष के समग्र नाते पर बोला। ध्यान-प्रेम-भक्ति और योग पर मैंने निरंतर कहा। एक सच्चा कलाकार, एक कवि, एक लेखक नहीं जिस पर नहीं बोला।

लेकिन मूर्खों को सुनाई दिया सिर्फ 'सम्भोग'..

वह भी वैसा 'सम्भोग' यानी 'कुभोग' जिससे वे जन्मे हैं। मगर विश्व-मनीषी सदा से मेरे साथ हैं, बुद्धों के साथ हैं, उन्हें सच्चाई और समझ से जीने के लिए अब मेरी जरुरत नहीं है, उन्हें अपना दीया स्वयं जलाना आता है। मैं राजनेताओं की भांति मूढ़ बहुमत को प्रसन्न करने नहीं आया हूँ। मैं निर्दोष, साहसी और सच्चे लोगों के लिए आया हूँ। सत्य और चेतनापथ- चालाक और मूढ़ लोगों के लिए नहीं है। उन्हें नरक चाहिए, वे उसी के पात्र हैं..

अहोभाव

उपनिषद जब कहते हैं कि पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो, फिर भी पीछे पूर्ण ही शेष रह जाता है और पूर्ण में तुम पूर्ण को डाल दो तो भी पूर्ण बढ़ता नहींझन घटता, न बढ़ताझ यह किसी दूसरे गणित की बात हो रही है।ऑस्पेंस्की कहता हैः उस दूसरे गणित का नियम हैझअंश अंशी के बराबर होता है, छोटा नहीं होता। साधारण गणित के हिसाब से बूंद सागर से छोटी है, बहुत छोटी है; महागणित के हिसाब से बूंद में सागर समाया हुआ है, बूंद सागर के बराबर है। क्योंकि जो राज सागर का है वही बूंद का है। आकार पर न जाओ, प्रकार पर मत जाओझये तो ऊपर की बातें हैं। भीतर के राज समझो, भीतर के रहस्य में झांको। एक बूंद में पानी का सारा रहस्य छिपा हुआ है। अगर हम एक बूंद को पूरा-पूरा समझ लें तो हमने सारे संसार के सागरों को समझ लिया। और इतना ही नहीं, जो गहरे गए हैं वे कहते हैं कि अगर हम एक बूंद को पूरा समझ लें तो हमने पूरे अस्तित्व को पूरा समझ लिया। क्योंकि एक बूंद में सब समाया हुआ है। बूंद में सब राजों का राज छिपा हुआ है। फूल की एक पंखुड़ी को तुम पहचान लो तो तुमने सारे विश्व को पहचान लिया। क्योंकि फूल की एक पंखुड़ी में सारा विश्व समाया हुआ है, सारे विश्व का हाथ है, दान है। सूरज कुछ दे गया है, सागर कुछ दे गया है, चांद कुछ दे गया है, तारे कुछ दे गए हैं। सबने दान दिया है, तब फूल निर्मित हुआ है। और अगर पूर्ण से पूर्ण को भी निकाल कर पीछे पूर्ण शेष रहता है, तो फिर कुछ अड़चन नहीं है। हम मालिक हैं, क्योंकि हम मालिक के हिस्से हैं। और हम पूरे-पूरे मालिक हैं। हम अंश ही नहीं, अंशी हैं। इसलिए उपनिषद कह सकेः अहं ब्रह्मास्मि! मैं ब्रत्म हूं! इसलिए मंसूर कह सकाः अनलहक! मैं सत्य हूं! मैं परमात्मा हूं! इसलिए जीसस कह सके कि मुझमें और मेरे पिता में कुछ भी भेद नहीं है; हम दोनों एक हैं, एक के ही दो नाम हैं।

पी.डी.ऑस्पेंस्की ने अपने महत्वपूर्ण ग्रंथ टर्शियम आर्गानम में लिखा है कि दुनिया में दो तरह के गणित हैं। साधारण गणित। साधारण गणित का नियम हैझआधारभूत नियमझकि अंश हमेशा अंशी से छोटा होता है। स्वभावतः, किसी चीज का हिस्सा उस पूरी चीज से छोटा होगा ही। एक पत्ते को तुम तोड़ लोगे तो पत्ता वृक्ष से छोटा होगा। फूल की एक पंखुड़ी को तोड़ोगे तो फूल से पंखुड़ी छोटी होगी। यह साधारण गणित है, ऑस्पेंस्की कहता है। और वह यह कहता है कि एक और भी गणित है - महागणित, पारलौकिक गणित।

ओशो

काहे होत अधीर
प्रवचन प्त१३

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: यशस्वी और विराट के शतकों से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 534 रनों का कठिन लक्ष्य

मेजबानों ने 12 रनों पर ही 3 विकेट खोये

पर्थ (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शानदार शतकों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच पर शिकंजा कस लिया है। यशस्वी के 161 और विराट के 100 रनों की सहायता से भारतीय टीम ने तीसरे दिन टी ब्रेक के बाद अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन पर घोषित कर मेजबान टीम को जीत के लिए 534 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया है। जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 4.2 ओवर में ही 12 रनों पर ही दूसरी पारी में अपने तीन विकेट खो दिये थे। अब ऑस्ट्रेलिया के पास दो दिन हैं और वह 522 रन पीछे हैं जबकि उसके पास सात विकेट शेष हैं।

जसप्रीत बुमराह ने दूसरी पारी में भी जबरदस्त गेंदबाजी करते तीन में से दो विकेट लिए। बुमराह ने पहले नैथन मैकस्वीनी को शून्य और मार्नस लाबुशेन को 3 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। मोहम्मद सिराज ने नाइटवाचमैन के तौर पर आए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को 2 रन पर आउट कराया।

इससे पहले आज भारतीय बल्लेबाजी छाये रहे पहले यशस्वी और उसके बाद विराट ने शतक लगाये। विराट के 100 रन पूरे करते ही कप्तान बुमराह ने पारी घोषित कर दी। तब दूसरे छोर पर नीतिश कुमार रेड्डी में 38 रन बनाकर खेल रहे थे। विराट ने 143 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। जबकि, नीतिश ने 3 चौके और 2 छक्के लगाये।

विराट ने इस शतक के साथ ही एक विदेशी धरती में सबसे अधिक शतक बनाने के सुनील

गावस्कर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उन्होंने इसके अलावा एक देश के खिलाफ 9 शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। तेंदुलकर के श्रीलंका के खिलाफ 9 शतक और ऑस्ट्रेसिया के खिलाफ 11 शतक हैं। गावस्कर के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक बनाने का रिकॉर्ड है। विराट ने इस मैच में अपना 30वां शतक है और इस प्रकार वह आस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन के 29 शतकों से आगे निकल गए हैं।

भारतीय टीम ने दो विकेट पर 313 रन की मजबूत स्थिति के बाद 18 गेंदों के अंदर ही आठ रन पर तीन विकेट खो दिए थे पर इसके बाद विराट ने वाशिंगटन सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए 89 रन और नीतिश कुमार रेड्डी के साथ सातवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी कर भारत की कुल बढ़त को 500 के पार पहुंचा दिया। वहीं भारतीय टीम ने दूसरे दिन के कोई विकेट खोए 172 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था।यशस्वी ने दूसरे दिन के अपने 90 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए 297 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 161 रन की बड़ी पारी खेलने के बाद आउट हुए। वहीं केएल राहुल ने 77 रन बनाए।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारत ने तीसरे दिन 218 रन की बढ़त के आगे खेलना शुरू करते हुए दूसरी पारी में 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 535 रन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से दूसरी पारी में नाथन लायन ने 2 जबकि मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने एक-एक विकेट लिया।

विराट ने 17 महीने बाद शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

पर्थ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक लगाने के साथ ही एक बार फिर अपना फार्म हासिल किया है। यहां पहली पारी में भी विराट रन नहीं बना पाये थे और केवल 5 रन बनाकर ही जोश हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए थे। विराट ने टेस्ट के तीसरे दिन के अंतिम सत्र में अपना शतक लगाया ।इसी के साथ ही विराट ने 17 महीने के बाद कोई शतक लगाया है। इससे पहले विराट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और न्यूजीलैड के खिलाफ पिछली 12 पारियों में वह केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस मैच से काफी समय बाद विराट अपने ही अंदाज में दिखे। ये विराट का 30वां टेस्ट शतक है। शतक तक पहुंचने में विराट ने 7 चौके और 2 छक्के लगाये। वह टेस्ट में 30 शतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। उससे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने ही भारत की ओर से 30 या उससे ज्यादा शतक लगाये हैं। गौरतलब है कि महान सर डॉन ब्रैडमैन ने टेस्ट में सबसे पहले 29 शतक का रिकार्ड बनाया था। विराट अब ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा सात टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ ही विराट ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा है। सचिन ने यहां 38 पारियों में 6 शतक लगाये हैं जबकि विराट के 27 पारी में 7 शतक हो गए हैं। इसक अलावा सुनील गावस्कर के नाम यहां 19 पारियों में 5 जबकि वी वी एस लक्ष्मण के नाम 29 पारियों में 4 शतक हैं। विराट ने टेस्ट में अपना अंतिम शतक जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर लगाया था। अब 17 महीने बाद पूर्व भारतीय कप्तान ने टेस्ट में शतक लगाया है।

यशस्वी ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

पर्थ ।भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शतक लगाने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इस क्रिकेटर ने पारी के 61वें ओवर में अपना शतक लगाया जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के लगाए। अपनी शतकीय पारी के साथ ही यशस्वी ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर ही शतक बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले एमएल जयसिम्हा ने साल 1967-68 और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने 1977-78 में पहले ही टेस्ट में शतक लगाये थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज यशस्वी ने 22 साल की उम्र में ही एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वह 28 दिसंबर को अपना 23 वां जन्मदिन मनाएंगे। इस बल्लेबाज के नाम अभी तक तीन शतक हैं और 2024 में अभी तीन मैच और खेलने हैं। वहीं यशस्वी से ज्यादा पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने साल 1971 में 4 शतक, विनोद कांबली ने 1993 में 4 शतक, रवि शास्त्री ने 1984 में 3 शतक और सचिन तेंदुलकर ने 1992 में 3 शतक लगाये थे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक बनाने वाले आखिरी भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 110 थे जिन्होंने 2014-15 में सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) पर शतक बनाया था।

कपिल देव ने बुमराह की सराहना की, कहा- ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए

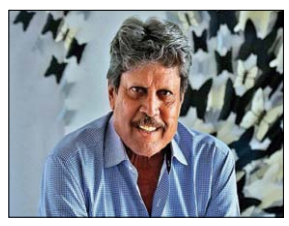

मुम्बई (एजेंसी)। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पर्थ टेस्ट में आगे बढ़कर भारत की अगुवाई करने के लिए रविवार को जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि मेहमान टीम ने अब तक उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पर्थ टेस्ट के कार्यवाहक कप्तान बुमराह ने पहली पारी में 30 रन देकर पांच विकेट चटकाकर टीम को 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम महज 104 रन पर आउट हो गई। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में 11वीं बार पांच विकेट चटकाए और एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में सातवीं बार यह उपलब्धि हासिल की। वह इन देशों में सर्वाधिक बार पांच विकेट लेने के मामले में कपिल के बराबर पहुंच गए।

कपिल ने यहां विश्व समुद्र गोल्डन ईगल गोल्फ चैंपियनशिप के दौरान मीडिया से कहा, 'बुमराह को विशेष बधाई दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है कि गेंदबाजों को कप्तान चुना जाए उन्हें जिस तरह से नेतृत्व करते हुए देखा है वह बहुत अच्छा लगता है।'

कपिल ने देश में तेज गेंदबाजी को फिर से चर्चा में लाने के लिए बुमराह की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है - उनके रिकॉर्ड बताते हैं (कि वह कितने अच्छे हैं। वह दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं, हमें और क्या चाहिए?'

कपिल ने कहा, 'मैंने पहले कभी नहीं सोचा था कि भारत में एक तेज गेंदबाज के बारे में इतनी चर्चा होगी लेकिन आज ऐसा हो रहा है और मुझे इस पर खुशी और गर्व है।' कपिल ने कहा कि भारत का प्रदर्शन शानदार है क्योंकि टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है। उन्हें पहला टेस्ट जीतना चाहिए, सकारात्मक सोच हमेशा बनी रहनी चाहिए।'

ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई ने संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में डाला

-हुड्डा को आईपीएल नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से ठीक पहले एक बुरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के जरिए सामने आया है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को बीसीसीआई की संदिग्ध गेंदबाजों की सूची में शामिल किया गया है और उन पर बैन लगने की संभावना है। वह इस साल एलएसजी का हिस्सा नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार दीपक हुड्डा और सौरभ दुबे और केसी करियप्पा जैसे खिलाड़ियों पर पर बीसीसीआई को उनके संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए शार्टलिस्ट किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि मनीष पांडे और श्रीजीत कृष्णन को गेंदबाजी के लिए बैन कर दिया गया है, जबकि ऑफ स्पिनर दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि सौरभ दुबे और केसी करियप्पा बीसीसीआई की संदिग्ध सूची में शामिल किए गए हैं। बता दें दीपक हुड्डा को नीलामी से पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने रिलीज कर दिया था। आईपीएल 2024 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 145 रन बनाए और कोई विकेट भी नहीं लिया था। हुड्डा के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए 10 वनडे मैच खेले हैं और 153 रन बनाए हैं। 20 इंटरनेशनल में उन्होंने 21 मैच खेले हैं और एक शतक के साथ 368 रन बनाए हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2023 में ही खेला था। जो न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच था। वहां उन्होंने 30 रन बनाए थे। बता दें कि आईपीएल 2025 के आगामी सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा।

रोहित ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये हैं, वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे। रोहित शनिवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट से रवान हुए थे। इस दौरान उन्हें पत्नी रितिका सजदेह को गले लगाकर बाय कहते देखा गया था। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही पहले टेस्ट से बाहर रहे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को उन्होंने पहले ही संकेत दिया था कि वे पर्थ टेस्ट नही खेलेंगे। रोहित के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इससे पहे न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित असफल रहे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर रन बनाकर लय हासिल करना रहेगा। इस साल रोहित ने 11 टेस्ट मैचों में 29.40 के औसत से 588 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का घरेलू सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने पांच मैचों में 13.30 के औसत से 133 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक शामिल हैं।

गिलक्रिस्ट सहित पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल की शानदार पारी की सराहना की है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाया है। गिलक्रिस्ट ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 172 रनों की साझेदारी के लिए सलामी बल्लेबाज के खेलने के तरीके और प्रतिबद्धता की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की। गिलक्रिस्ट ने कहा कि जिन्होंने उसे खेलते देखा है वे जानते हैं कि वह काफी आक्रामक खिलाड़ी है। उसने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टेस्ट क्रिकेट में भी वह अपने आक्रामक अंदाज के कारण जाना जाता है। उसने कम समय में भी काफी छक्के लगाये हैं। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइक हसी भी गिलक्रिस्ट से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि मैं उसे ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों पर खेलते हुए देखना चाहता था, यह देखने के लिए कि वह इसे कैसे संभालेगा पर यह पारी दिखाती है कि वह दुनिया भर में किसी भी हालात में खेलकर उसे संभाल सकता है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन का मानना है कि जयसवाल और राहुल के प्रयासों से भारतीय टीम मैच में हावी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह एक कठिन दिन था लेकिन दो भारतीय बल्लेबाजों के प्रयासों से टीम बेहतर हालात में पहुंची है। इन दोनो ही शानदार तरीके से खेला है।

पर्थ टेस्ट में पिच बदलाव पर इरफान पठान की मजेदार टिप्पणी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच में पर्थ की पिच ने सभी को चौंका दिया। पहले दिन सतह पर तेज गेंदबाजों के लिए भरपूर उछाल और मूवमेंट था, लेकिन दूसरे दिन यह तस्वीर पूरी तरह बदल गई। पिच धीमी पड़ने के साथ दरारें उभरने लगीं, जिससे बल्लेबाजों को कुछ राहत मिली। पूर्व भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने पिच के इस अचानक बदलाव पर मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, इतना जल्दी तो मेरी पत्नी का मूड भी नहीं बदला, जितनी जल्दी ये पिच बदली है। पर्थ की हरी सतह ने पहले दिन दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने घास से भरी इस पट्टी पर स्विंग और उछाल का खूब फायदा उठाया। लेकिन दूसरे दिन पिच की प्रकृति बदल गई, सतह पर हलचल कम हो गई और बल्लेबाजों ने क्रीज पर अधिक समय बिताने का मौका पाया। इरफान पठान की यह हल्की-फुल्की पोस्ट क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से वायरल हो गई। फैन्स ने इसे न केवल पिच की स्थिति पर एक सटीक मजाक माना, बल्कि पठान की हाजिरजवाबी की भी तारीफ की। पिच में अचानक बदलाव ने खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। कुछ ने इसे टेस्ट क्रिकेट की अनिश्चितता का हिस्सा बताया, जबकि अन्य ने इसे पिच क्यूरेटर की तैयारी पर सवाल उठाने का मौका माना। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस पहले मुकाबले ने पहले ही दो दिनों में दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। अब देखना यह है कि अगले तीन दिनों में खेल का क्या रुख रहता है।

सफ़ेद मोहरो से करेंगे भारत के गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत

सिंगापुर (एजेंसी)। फीडे 2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह के साथ ही मैच की शुरुआत हो गयी और साथ ही अब पहले मुक़ाबले की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है कल डिंग लिरेन और गुकेश डी के बीच उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सिंगापुर के कैपिटल थियेटर में 400 से अधिक मेहमान उपस्थित थे, जो सिंगापुर के सांस्कृतिक और नागरिक क्षेत्र के दिल में स्थित एक प्रमुख स्थल है।

गाला शाम की शुरुआत शानदार संगीत प्रस्तुति, और दोनों देशों चीन और भारत के राष्ट्रगानों से हुई। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम था दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले मुक़ाबले के लिए रंगों का चयन करना, और इस बार गुकेश डी को पहले खेल में सफेद मोहरे मिले। 2013 की विश्व शतरंज चैंपियनशिप में आनंद के खिलाफ कार्लसन ने सफ़ेद मोहरो से खेल की शुरुआत की थी और कई शतरंज प्रेमी इसे गुकेश के लिए भी अच्छा बता रहे है।

सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक, श्री तेओ ची हेअन ने इस ऐतिहासिक मैच के महत्व पर बात की और कहा, 'यह विश्व चैंपियनशिप हमारे क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखती है। यह पहली बार है जब दो एशियाई ग्रैंडमास्टर एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। सिंगापुर इस ऐतिहासिक मैच का मेज़बान बनकर गर्वित है।'

FIDE के अध्यक्ष, श्री आर्कडी ड्वॉर्कोविच ने मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा, 'आज हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जब भारतीय टाइगर गुकेश, 18 साल की उम्र में, चीन के ड्रेगन डिंग लिरेन, विश्व चैंपियन को चुनौती देंगे। यह मैच न केवल शतरंज के इतिहास को आकार देगा, बल्कि भविष्य को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि इस मैच को दुनिया भर में लाखों लोग देखेंगे।'

इस विश्व चैंपियनशिप में डिंग लिरेन (चीन) और गुकेश डी (भारत) के बीच 14-मुकाबलों का मैच होगा। जो खिलाड़ी 7.5 अंक या उससे अधिक स्कोर करेगा, वह मैच जीत जाएगा और कुल 2.5 मिलियन डॉलर के पुरस्कार फंड का हिस्सा जीतेगा।

प्रीमियर लीग : चार बार के चैंपियन मैनचेस्टर सिटी की टोटेनहैम के हाथों करारी हार

लंदन। चार बार के गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को शनिवार को यहां टोटेनहैम के खिलाफ प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 0-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी जो सभी प्रतियोगिताओं में उसकी लगातार पांचवीं हार है। इस हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक पीछे है। सिटी के 23 जबकि लीवरपूल के 28 अंक हैं। लीवरपूल ने हालांकि एक मैच कम खेला है। टोटेनहैम की टीम 19 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन (13वें और 20वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि पेड्रो पोरो (52वें मिनट) और ब्रेनेन जॉनसन (90 प्लस तीन मिनट) ने एक-एक गोल किया। तीसरे स्थान पर काबिज चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया जबकि चौथे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। पांचवें स्थान पर मौजूद ब्राइटन ने बोर्नेमाउथ को 2-1 हराया।

राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का शानदार प्रदर्शन

इन्दौर। उत्तराखंड के हरिद्वार में ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से लगभग 2000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें इंदौर के आर्यन भारतीय ने 16-18 वर्ष -50 किलो भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन कर 04 मुकाबले जीतते हुए फाइनल में वेस्ट बंगाल के खिलाड़ी को आर्मबार तकनीक से हराते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमारी आर्या चौधरी ने भी अपने चारों मुकाबले समय से पहले ख़त्म करते हुए 18-20 वर्ष की -53 भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। मध्यप्रदेश के 75 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक और 15 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदकों के साथ देश भर में चौथा स्थान प्राप्त किया खिलाड़ियों के साथ उनके कोच विक्रम अवार्डी विकाश शर्मा एवं सहायक सुरभि साँखला उपस्थित रहे। ग्रेपलिंग रेसलिंग मध्यप्रदेश संघ से हिमांशु अत्रिवाल अध्यक्ष ,एहतेशाम उद्दीन सचिव, उपाध्यक्ष प्रवीन पाटिल, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र भट्ट सहित समस्त ग्रैपलिंग संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जर्मनी को हराकर नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में

एम्स्टर्डम। जर्मनी के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ नीदरलैंड पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंच गया है। मंगलवार को स्पैनियार्ड के करियर के अंतिम मैच में राफेल नडाल को हराने वाले बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने शुक्रवार को पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच प्वाइंट की जरूरत थी। ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें खुद पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है इसलिए अब ऐसा करना अविश्वसनीय लगता है। रविवार के फाइनल में नीदरलैंड का सामना गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इटली की टीम का नेतृत्व विश्व के नंबर एक जैननिक सिनर कर रहे हैं। नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत रोमांचित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है - लेकिन यह एक टीम प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमें खुद पर विश्वास करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। इस साल यह हमारा समय है। हम यहां हैं और हम इसे गिनने जा रहे हैं। 3 बार का विजेता जर्मनी 1993 में आखिरी बार खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने का लक्ष्य बना रहा था।

ऋषभ आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी

आईपीएल नीलामी: भारतीय खिलाड़ियों पर बरसे पैसे... पंत को लखनऊ ने 27 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा, श्रेयस को पंजाब ने 26.75 करोड़ दिए

जेद्दाह (एजेंसी)। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा है। ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ में खरीदा। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ा। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हम यहां आपको आईपीएल 2025 और नीलामी इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ियों के विषय में बताएंगे।

आईपीएल 2024 के लिए पिछले साल हुई मिनी नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के विश्व विजेता कप्तान पैट कमिंस और स्टार्क पर जमकर पैसों की बारिश हुई थी और दोनों ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा। ऑस्ट्रेलिया के ही तूफानी गेंदबाज मिचेल स्टार्क नीलामी टेबल पर आए और उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। आईपीएल नीलामी इतिहास में पहली बार 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार हुआ था और वह भी एक साथ दो खिलाड़ियों पर। दूसरी सेट से कैप्ड प्लेयर डेविड मिलर को लखनऊ ने 7.5 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। दूसरी मार्की लिस्ट से कैप्ड प्लेयर मोहम्मद शमी को हैदराबाद ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था। पिछले सीजन में इंडियन पेसर शमी इंजरी की वजह से नहीं खेले थे।

110 करोड़ में बिके शुरुआती 6 खिलाड़ी

पहले सेट में 6 खिलाड़ियों पर बोली लगी। 4 टीमों ने इन प्लेयर्स पर 110 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। लखनऊ सुपरजायंट्स ने 27 करोड़ में ऋषभ पंत और पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपए में श्रेयस अय्यर को खरीदा। अर्शदीप सिंह 18 करोड़, जोस बटलर 15.75 करोड़, मिचेल स्टार्क 11.75 करोड़ और कगिसो रबाडा 10.75 करोड़ रुपए में बिके।

आईपीएल 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी
खिलाड़ी कितने में खरीदा (करोड़ रु) टीम

ऋषभ पंत 27 लखनऊ सुपरजायंट्स
श्रेयस अय्यर 26.75 पंजाब किंग्स
अर्शदीप सिंह 18 पंजाब किंग्स
युजवेंद्र चहल 18 पंजाब किंग्स
जोस बटलर 15.75 गुजरात टाइटंस
कगिसो रबाडा 10.75 गुजरात टाइटन्स
मिचेल स्टार्क 11.75 दिल्ली कैपिटल्स
मोहम्मद शमी 10 सनराइजर्स हैदराबाद

विनोद उपाध्याय / 24 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त समाचार

पुलिस कर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत

● राजकीय सम्मान से हुई अंत्येष्टि

चमकता राजस्थान। भुसावर(राजवीर सिंह) जयपुर में ड्यूटी करते समय सड़क दुर्घटना में जान गवाने बाले शहीद पुलिसकर्मी की सोमवार को भरतपुर में भुसावर उपखंड क्षेत्र के गांव छोंकरवाड़ा कलां की आठ बिस्वा पट्टी गाव में राजकीय सम्मान से अंत्येष्टि कर दी गई। गौरतलब है कि आठ बिस्वा पट्टी निवासी 54 वर्षीय शहीद पुलिस कर्मी मुकेश चन्द शर्मा पुत्र मूली राम शर्मा जयपुर में अजमेरी गेट के पास ड्यूटी करते समय 20 नवंबर को सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए थे जिनकी रविवार देर शाम जयपुर के निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहीद पुलिसकर्मी मुकेश चन्द शर्मा का गांव छोंकरवाड़ा कलां के मोक्षधाम में राजकीय पुलिस सम्मान से अंत्येष्टि की गई। इस अवसर पर खेरली मोड़ थाना के पुलिसकर्मियों द्वारा हवाई फायरिंग कर सलामी दी गई। इस मौके पर शहीद पुलिस कर्मी के बड़े भाई बृजेंद्र शर्मा, रिटायर्ड शिक्षक ओमप्रकाश शर्मा, छोटे भाई महेश शर्मा मेडिकल वाले ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद पुलिसकर्मी के शोकाकुल परिवार में उनकी पत्नी सन्तोष शर्मा सहित एक बेटी डॉक्टर नेहा शर्मा (30) एवं एक बेटा अमन शर्मा (28) है।

बयाना सदर थाना पुलिस ने तेजगति व लापरवाही पूर्वक कार चलाकर एक्सीडेण्ट करने के मामले के आरोपी को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) झील पुलिस चौकी पर तैनात हैड कानि० धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 26 अक्टूबर 2024 को नगला खुशफहम निवासी परमसुख पुत्र शिवली ने मोटरसाईकिल नं० आरजे 02 वीएस 4864 के चालक के विरूद्ध गांव पिदावली पैट्रोल पम्प के पास मोटरसाईकिल को तेजगति व लापरवाही पूर्वक चलाकर कर प्राणसुख की मोटरसाईकिल में टक्कर मार दी जिससे उसके मौसेरे भाई एसवीर की दौरोने ईलाज एसएमएस जयपुर में मृत्यु हो जाने का एक मामला थाना सदर बयाना में पंजीबद्ध कराया था। उक्त मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष कुमार पुत्र घनश्याम उम्र 30 साल जाति जाटव निवासी नगला केवल थाना चिकसाना को गिरफ्तार कर मोटरसाईकिल नं० आरजे 02 वीएस 4864 को बरामद किया गया।

समाजसेवी जय सिंह रावत ग्रामीणों सहित पहुचे जिला कलेक्टर के पास अध्यापक को हटाने की मांग

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर /नसीराबाद कानाखेड़ी ग्राम वासियों ने लापरवाह अध्यापिकाओं को हटाने की मांग रखी। विगत दिनों काना खेड़ी स्कूल के दो बच्चों का नाडी में डूबने से निधन हो गया था, जिसमें ग्राम वासियों का कहना है कि इसमें स्कूल प्रशासन की लापरवाही नजर आती है। अध्यापिकाएं ट्यूबवेल के ताला लगाकर रखती हैं। शौचालय के भी ताला लगाकर बंद रखा जाता है जिस कारण बच्चो को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है।और दुर्घटना का कारण बनता है।बच्चो से साफ सफ़ाई करवाई जाती है ,बच्चों पर नियन्त्रण नहीं रखा जाता है, अतः ग्रामवासियों ने मांग रखी है कि लापरवाह अध्यापिकाओं का स्थानांतरण करके पुरुष शिक्षक लगाया जाए,

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मार्बल नगरी किशनगढ़ पहुंचे

चमकता राजस्थान। /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर। अजमेर/मदनगंज किशनगढ़:- राजस्थान विधानसभा में नेता प्र मेतिपक्ष टीकाराम जूली किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी के आवास पर पहुंचे । विधायक चौधरी के आवास पर विधायक चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर ,बुके भेंट कर एवं किशनगढ़ की प्रसिद्ध बनी ठनी का स्मृति चिन्ह बैठकर नेता प्रतिपक्ष जूली का स्वागत किया । विधायक चौधरी एवं कार्यकर्ताओं से नेता प्रतिपक्ष जूली ने जिले के संगठन एवं राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की । इस दौरान विधायक चौधरी के साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष हमीदा बानो, पार्षद मोहम्मद रफीक, पार्षद महेंद्र यादव, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक खटाना, बृजेश जोशी, मदन मेघवाल, राधेश्याम वैष्णव, राहुल चौरडिया, तेजपाल बजाड सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

15 हजार से अधिक युवा बनेंगे प्रतिभागी

संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चित्रकूट स्टेडियम में निकलेगी पदयात्रा

खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड प्रतिभागियों को संविधान प्रस्तावना की दिलाएगें शपथ

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 नवंबर। संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को जयपुर के वैशाली नगर स्थित चित्रकूट स्टेडियम में दोपहर 3 बजे पदयात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 15 हजार से अधिक युवा भाग लेगें। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जाएगा। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड प्रतिभागियों को संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलाएगें।

● यह होंगे आकर्षण

बैंडवादन पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेना, राजस्थान पुलिस, आरएसी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालयों द्वारा बैंडवादन की प्रस्तुति दी जाएगी।

सेल्फी बूथ

» सेल्फी बूथ पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लगवाये जाने वाले सेल्फी बूथ युवाओं में आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। महापरूषों की वेशभूषा में दिखेगे युवा: कार्यक्रम में युवा भारत माता, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरूषों की वेशभूषा में नजर आयेंगे। कार्यक्रम में आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों को माई भारत पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा सोमवार को संविधान पदयात्रा को लेकर डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की और पदयात्रा को लेकर की जा रही पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवशयक दिशा निर्देश प्रदान कि- ए। सायंकाल राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह, राज्य युवा बोर्ड के सचिव कैलाश पहाड़िया, नगर निगम, पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का जायज़ा लिया।

प्रदेश भर में आयोजित होगी प्रतियोगिताएं-

डॉ. नीरज के. पवन ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में ''भारत की मुख्य उपलब्धियाँ'' थीम पर विकसित भारत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विधार्थी भाग ले सकेंगे। द्वितीय चरण में जिला स्तर पर विकसित भारत थीम पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसी प्रकार तृतीय चरण में राज्य स्तर पर स्टार्ट अप चौंपियनशिप आयोजित होगी, प्रतियोगिता के चतुर्थ चरण में राष्ट्रीय स्तर पर 'विकसित भारत राष्ट्रीय चौंपियनशिप' भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित होगी।

यह लेंगे हिस्सा

» कार्यक्रम में समस्त सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट एंड गाइड स्वयं सेवक, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड के जवान सहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

वीर श्रृंगी ने गोल्ड एवम प्रभाव बाजोरिया ने सिल्वर पदक लिया

चमकता राजस्थान

जयपुर 25 नवंबर । महाराष्ट्र के वाशिंद में जे एस डब्ल्यू 10 वी सुनील वर्मा मेमोरियल ओपन स्क्वैश चैम्पियनशिप 20 से 24 नवम्बर 2024 महाराष्ट्र के वाशिंद में आयोजित थी उसमें जयपुर के वीर श्रृंगी ने गोल्ड पदक जीता एवम प्रभाव बाजोरिया ने सिल्वर पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि वीर को पहले राउंड में बाय मिली, दूसरे राउंड में महाराष्ट्र के रिशान गुप्ता से वॉकओवर, प्री क्वार्टर फाइनल मे महाराष्ट्र के हार्दिक मनकामे को 11- 3,11- 2,11- 1,से क्वार्टर

फ़ाइनल मे, चंडीगढ़ के प्रहलाद सिंह मजीठिया को 8- 11,11- 7,11- 7,5- 11,13- 11 से सेमी फ़ाइनल मे महाराष्ट्र के आरोन आरंभ को 11- 9,7- 11,11- 5,11- 7 से फाइनल में महाराष्ट्र के आरम खन्ना को 11- 9,11- 8,11- 4, से हरा कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया

अंडर 13 वर्ग बॉयज में प्रभाव बाजोरिया ने सिल्वर पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया पहले राउंड में महाराष्ट्र के अगस्त्य ऐनापुरे से वॉकओवर, प्री क्वार्टर में तमिलनाडु के लखावंत एमसी को 11-4,11-3,11-1 से क्वार्टर फाइनल में तेलंगाना के तनुज रेड्डी पिलाई को 12-10,11-7,11-6, से सेमी फ़ाइनल में महाराष्ट्र के विवेक शिंदे को 9-11,11-7,11-2,11-4, से फाइनल में झारखंड के वेदांत अग्रवाल से 4-11,11-7,8-11,8-11 से हार का सामना करना पड़ा और सिल्वर मेडल अपने नाम किया

टूर्नामेंट डायरेक्टर श्री लक्ष्मण जोशी और वर्ल्ड स्क्वॉश फेडरेशन लेवल वन टयूटर एवं लेवल 3 कोच श्री दलीप त्रिपाठी ने वीर श्रृंगी को गोल्ड मेडल से और प्रभाव बाजोरिया को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया।

कांग्रेस का 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान आज से

चमकता राजस्थान

जयपुर, 25 नवम्बर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा संविधान के निहित मूल्य के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, पिछले एक दशक से संविधान की नींव को कमजोर करने हेतु व्यवस्थित प्रयास भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किये जा रहे हैं, इस प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस पार्टी 26 नवम्बर से 26 जनवरी, 2025 तक संविधान की रक्षा और इसके सिद्धांतों के प्रति पार्टी के समर्पण हेतु 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान चलाया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार सभी जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा संविधान रक्षक अभियान के तहत पॉच प्रमुख विषयों पर दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 1. संविधान और समानता की लड़ाई, 2. आरक्षण की रक्षा संविधान की गारंटी, 3. भेदभाव का उन्मूलन-संविधान का मुख्य विषय, 4. गरीबों के संविधान के विरुद्ध पूंजीवादी सरकार तथा 5. लोकतंत्र और संविधान द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता को बचाओ, अभियान के मुख्य बिंदु होंगे। उन्होंने बताया कि इन विषयों और मुख्य बिंदुओं को जनता के मध्य प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सभी जिला कांग्रेस अपने-अपने जिलों में रैलियां, घर-घर संपर्क, परिचर्चाओं के माध्यम से अभियान के रूप में प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ता तथा संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ जनता के बीच जाकर वर्तमान केन्द्र सरकार द्वारा उत्पन्न परिस्थितियों को उजागर करेंगी। यह 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान दिनांक 26 नवम्बर,से 26 जनवरी, 2025 तक सभी जिलों में चलाया जायेगा।

भा.ज.पा. संगठन पर्व मंडल कार्यशाला सम्पन्न संगठन पर्व को उत्सव के रूप में मनाने की अपील : के जी तिवारी

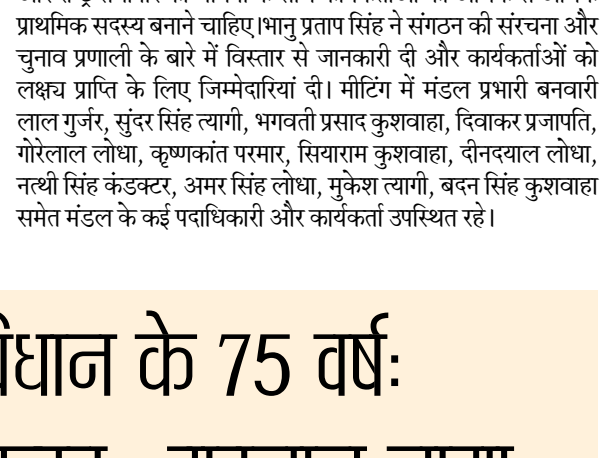

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे। संगठन पर्व अभियान के तहत भाजपा मंडल बसई नवाब, धौलपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मंडल अध्यक्ष विजेंद्र सिंह लोधा की अध्यक्षता में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि संगठन पर्व संयोजक ओमकार कटारा, विशिष्ट अतिथि सहसंयोजक भानु प्रताप सिंह और मुख्य वक्ता बाड़ी विधानसभा संयोजक केजी तिवारी रहे। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर केजी तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है। हम सबको संगठन पर्व को उत्सव के रूप में मनाना चाहिए और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक बूथ पर दो सक्रिय सदस्य बनाने चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 30 नवंबर तक प्राथमिक सदस्यता आवेदन पत्र भरकर भाजपा जिला कार्यालय धौलपुर में जमा करने का आ''ान किया। संगठन पर्व संयोजक ओमकार कटारा ने कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष और बूथ समिति का गठन 5 दिसंबर तक किया जाना चाहिए और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक प्राथमिक सदस्य बनाने चाहिए।भानु प्रताप सिंह ने संगठन की संरचना और चुनाव प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कार्यकर्ताओं को लक्ष्य प्राप्ति के लिए जिम्मेदारियां दी। मीटिंग में मंडल प्रभारी बनवारी लाल गुर्जर, सुंदर सिंह त्यागी, भगवती प्रसाद कुशवाहा, दिवाकर प्रजापति, गोरेलाल लोधा, कृष्णकांत परमार, सियाराम कुशवाहा, दीनदयाल लोधा, नत्थी सिंह कंडक्टर, अमर सिंह लोधा, मुकेश त्यागी, बदन सिंह कुशवाहा समेत मंडल के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

26 नवम्बर: संविधान दिवस पर विशेष संविधान के 75 वर्ष: संवैधानिक मूल्यों को जीवन में उतारने की जरूरत : बाबूलाल नागा

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। आज हम भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने इसे अपनाया और 26 जनवरी 1950 को यह लागू हुआ, जिससे भारत का संविधान पूरी दुनिया में अपनी एक विशेष पहचान बना पाया। संविधान दिवस का उद्देशय हमारे नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समझ को बढ़ाना है। यह संविधान ही है जो भारत को एक सप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है और हर नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता की गारंटी देता है।

संविधान ने हमें मौलिक अधिकार प्रदान किए, जो हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन की सुरक्षा का आधार बने। ये अधिकार हमें जीवन, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करने का अधिकार प्रदान करते हैं, जबकि संविधान में दिए गए मौलिक कर्तव्य हमें हमारी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं। हमारे संविधान के ये अधिकार और कर्तव्य हमें एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं।संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों का पालन करके हम न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, बल्कि हम

एक समावेशी समाज की ओर भी कदम बढ़ाते हैं। ये अधिकार, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के खिलाफ अधिकार, और धर्म, संस्कृति व शिक्षा से संबंधित अधिकार, हमें एक नागरिक के रूप में सशक्त बनाते हैं। वहीं, कर्तव्यों की याद दिलाने वाले संविधान के प्रावधान हमारे समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। हमारे संविधान ने जो मूलभूत सिद्धांत निर्धारित किए हैं, वे हमें अपने जीवन में समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करते हैं। ये संवैधानिक मूल्य हमारे समाज में हर व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार प्रदान करते हैं और लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा, संविधान में निहित राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सिद्धांत हमारी विविधताओं को सशक्त बनाकर पूरे देश में सामंजस्य बनाए रखते हैं। हम सभी को संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों और कर्तव्यों की रक्षा करना और उनका पालन करना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि हमारा संविधान न केवल हमें अधिकार देता है, बल्कि यह हमें समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी एहसास कराता है। इसलिए, हमें इसे पढ़ने और समझने की आवश्यकता है, ताकि हम अपने व्यवहार में संवैधानिक मूल्यों को उतार सकें। संविधान में उल्लिखित मानवतावाद और समानता की भावना हमें प्रेरित करती है कि हम समाज में भेदभाव और असमानता को समाप्त करने के लिए कदम उठाएं। जब हम सभी नागरिक संविधान के सिद्धांतों को आत्मसात करेंगे, तब हम समाज में शांति, सद्भाव और न्याय सुनिश्चित कर सकेंगे। यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम संविधान का पालन करें और इसे लागू करने के लिए लगातार प्रयास करें। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज और देश बनाए, जहां हर नागरिक को समान अधिकार मिले, जहां हम सभी संविधान द्वारा निर्धारित मार्ग पर चलकर राष्ट्रीय एकता, शांति और न्याय की दिशा में आगे बढ़ें। हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम संविधान के सिद्धांतों को न केवल समझें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में लागू करें ताकि हम एक समतामूलक और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना कर सकें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929